INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा-071/2022-24
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-100 | मथुरा, गुरुवार, 5 जून 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज-10

भव्य मंदिर में विराजे राजा राम, सीएम योगी ने किया अभिषेक

पेज-11

दिल्ली की साकेत कोर्ट में दो कैदियों के बीच खूनी भिड़ंत

पेज-12

कांग्रेस ने गोस्वामियों को दिया समर्थन, कॉरिडोर मंजूर नहीं

मथुरा में गंगा दशहरा पर आस्था उमड़ी

यमुना में डुबकी लगाने उमड़े श्रद्धालु

गंगा दशहरा पर विश्राम घाट पर स्नान को उमड़े श्रद्धालु।

गंगा दशहरा पर विश्राम घाट पर यमुना को दुग्ध अर्पित करती दो महिलाएं।

डुबकी लगाकर किया दान पुण्य, किए मंदिरों में दर्शन

नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए इंतजाम

गंगा दशहरा पर यमुना में स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देती महिलाएं।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। तीर्थनगरी में दशहरा पर गुरुवार को यमुना स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद यम व यमुना महारानी के मंदिर में पूजा अर्चना की। द्वारकाधीश मंदिर में पूजा अर्चना की। सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु यमुना के विश्राम घाट, स्वामी घाट, बंगाली घाट, राजा घाट पर स्नान को पहुंच गए। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर्म करके पुण्य लाभ कमाया। शहर में द्वारकाधीश महाराज और श्रीकृष्ण जन्मभूमि में लोगों ने आराध्य के दर्शन किए। गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, गोकुल, बलदेव में भी लाखों लोग अपने आराध्य के दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने यमुना के घाटों में बेरिकेडिंग की। कोई श्रद्धालु स्नान के दौरान गहरे पानी में ना जाएं। इसे रोकने के लिए गोताखोरों की टीम तैनात की गई थी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को काफी संख्या में पुरुष व महिला पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। लाउड स्पीकर लगाकर अनाउंसमेंट कर श्रद्धालुओं से गहरे पानी में न जाने की अपील की गई थी। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने नगर निगम की तरफ से साफ सफाई का विशेष प्रबंध कराया था।

गंगा दशहरा पर महापौर और नगर आयुक्त ने देखी व्यवस्थाएं

स्टीमर में बैठकर घाटों का निरीक्षण करते महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश आदि अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं का महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत यमुना पार कच्चे घाटों से की गई। यहां पर सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इसके पश्चात स्टीमर के माध्यम से दाऊजी घाट, ध्रुव घाट, स्वामी घाट, असकुंडा घाट, विश्राम घाट, राजा घाट, बंगाली घाट आदि प्रमुख घाटों का अवलोकन किया। राज घाट व विश्राम घाट पर पहुंचकर महापौर एवं नगर आयुक्त ने सभी व्यवस्थाओं का सूक्ष्म पर्यवेक्षण किया।

इस दौरान समाजसेवी गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, पार्षद संतोष पाठक, यतेंद्र माहौर, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, मुख्य अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल, सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया आदि उपस्थित थे।

अवैध मिट्टी खनन करने वालों पर एसडीएम का छापा, हड़कंप

मिट्टी से भरे चार ट्रैक्टर ट्रॉली व मशीन जब्त की

खनन माफियाओं के खिलाफ कराया मामला दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना बलदेव इलाके में मिट्टी का अवैध रूप से खनन करने वाले खनन माफियाओं के खिलाफ राजस्व टीम ने छापे मारी की। खनन माफिया मिट्टी से भरे चार ट्रैक्टरों को छोड़ कर भाग गए। बलदेव थाना क्षेत्र में खनन माफियाओं द्वारा मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है। अवैध खनन को रोकने के लिए एसडीएम महावन कंचन गुप्ता के नेतृत्व में राजस्व टीम ने बरौली पुलिस चौकी के गांव चोरम्बा में छापा मारा। टीम ने देखा कि किसान के खेत से मिट्टी खोदी जा रही थी। टीम के पहुंचने पर मिट्टी का खनन करने वालों में हड़कंप मच गया। टीम के पहुंचने तक खनन माफिया वहां से भाग निकले। तहसीलदार महावन सुशील कुमार गुप्ता ने मिट्टी से भरे चार ट्रैक्टर ट्रॉली ओर मिट्टी खोदने वाली मशीन को जब्त कर लिया। खनन करने वाले दूसरे ट्रैक्टर और चालक आदि मौके से भाग निकले। इस मामले में थाना महावन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

निरीक्षण डिप्टी सीएम अचानक पहुंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन

न डॉक्टर मिले न स्टाफ, निलंबन के दिए आदेश

गोवर्धन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। मथुरा में रात्रि विश्राम के बाद बृहस्पतिवार की सुबह प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अचानक गोवर्धन स्थित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। यहाँ उन्हें 44 मेडिकल स्टाफ में से महज 10 मौके पर मिले। इस स्थिति को देख उपमुख्यमंत्री ने सीएमओ को मेडिकल स्टाफ के निलंबन के आदेश दिए है। इससे स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है। दरअसल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक दो दिवसीय दौर पर मथुरा में आए हैं। बीती रात उन्होंने विश्राम रिफाइनरी टाउनशिप स्थित गेस्ट हाउस में किया था। सुबह उप मुख्यमंत्री ने अचानक गोवर्धन के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण का निर्णय लिया। इसी के साथ उपमुख्यमंत्री कुछ ही समय बाद गोवर्धन पहुंच गए। यहाँ स्वास्थ्य केंद्र का हाल देखकर उनका मांथा ठनक गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जगह जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ था। डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ के ऑफिसों में भी गंदगी थी। सामान अव्यवस्थित रखा हुआ था। यह देखकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सीएमओ संजीव यादव को फटकार लगाई। फायर सेफ्टी के बारे में डिप्टी सीएम ने जानकारी की तो स्टाफ ने उन्हें टहलाने की कोशिश की। बताया कि अभी एनओसी नहीं मिली है। इस पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि मॉकड्रिल में इसका प्रयोग नहीं किया और इस सिस्टम को लगे करीब 3 साल हो चुके हैं जिसके बाद सब एक दूसरे को ताकने लगे। हद तो तब और हो गई जब डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सीपीआर वार्ड देखने पहुँच गए जहां ताला लगा था। यह देख उपमुख्यमंत्री बहुत नाराज हो गए और इसे खोलने के आदेश देते हुए कहा कि यह प्राइवेट प्रॉपर्टी नहीं है। इमरजेंसी रजिस्टर की स्थिति भी ठीक नहीं मिली। मेडिकल स्टाफ एक दूसरे पर कमियों की जिम्मेदारी डालते नजर आए। इस पर डिप्टी सीएम ने सीएमओ को मेडिकल स्टाफ को सस्पेंड करने के आदेश दिए है इससे खलबली मच गई।

ससुराल गए युवक का शव नीम के पेड़ से लटका मिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन की खप्परपुर पुलिस चौकी के समीप यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे नीम के पेड़ से एक युवक ने अपनी शर्ट से फांसी का फंदा लगा कर संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। भूरी सिंह (32) पुत्र साहब सिंह निवासी नगला चिंता इटावा की शादी 2018 में गांव इब्राहीमपुर निवासी मूर्ति की बेटी वर्षा के साथ हुई थी। भूरी सिंह मथुरा में 10-12 साल से साड़ी की फैक्ट्री में काम करता था। उसने मथुरा में किराए का मकान भी ले रखा था। उसके एक बेटा और दो बेटी भी हैं। बताया गया कि उसकी पत्नी चार पांच दिन पहले अपने मायके चली गई थी। भूरी सिंह भी कल अपनी ससुराल पहुंच गया। भूरी सिंह का शव खप्परपुर पुलिस चौकी के पीछे यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे लगे एक नीम के पेड़ पर शर्ट से लटका हुआ मिला। शव पेड़ पर लटका देख वहां से गुजरते लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और उसके बाद शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बारे में पोस्टमार्टम गृह पर आए उसके ससुरालीजनों का कहना था कि वह घर से शौंच के लिए गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। ससुराल में उसके साथ ऐसी कोई बात भी नहीं हुई थी जिससे उसने आत्महत्या करने जैसा फैसला ले लिया। युवक के मायके वाले पोस्टमार्टम गृह पर नहीं पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सदर तहसील परिसर में सांसद, डीएम, सीडीओ, डीएफओ, एसडीएम ने किया पौधारोपण

पेड़ काटें नहीं, लगाकर उनका करें रख रखाव : हेमामालिनी

सदर तहसील प्रांगण में पौधारोपण के बाद पानी देती सांसद हेमा मालिनी, साथ में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ मनीष मीना व अन्य।

सांसद ने ब्रजवासियों से कहा : पॉलीथिन फेंके नहीं, एक जगह करें एकत्रित

तीन-तीन गांव प्रधान, सचिव व पंचायत सहायक किए सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता

गांवों से पॉलीथिन एवं प्लास्टिक एकत्रित करके लाए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सांसद हेमा मालिनी, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, साथ में खड़े हैं सीडीओ मनीष मीना।

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों से अपील की कि वे पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ों को नहीं काटें, बल्कि पेड़ लगाएं और उनका रखरखाव करें। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि पॉलीथिन मुक्त मथुरा ब्रज की माटी हो। इसके लिए सरकार और प्रशासन के अलावा स्थानीय लोगों को सहयोग करना चाहिए, जिससे वे प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करें, यदि कर रहे हैं तो उसको एकत्रित करके कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में डालें। सांसद सदर तहसील परिसर में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ मनीष मीना एवं डीएफओ रजनीकांत मित्तल, एसडीएम सदर अभिवन कुमार जैन के साथ वृक्षारोपण किया। उन्होंने बताया कि 500 से ज्यादा पौधे तहसील परिसर में लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ब्रज में उनके द्वारा वृक्ष लगाए गए हैं। पहले की तुलना में यहां हरियाली दिख रही है। वृंदावन में सुनरख में प्लाइंटेशन किया गया है। आज वहां देखकर अच्छा लगता है। उन्होंने वृंदावन में बांके बिहारी कॉरिडोर आज के समय की आवश्यकता है। इससे श्रद्धालुओं को तो लाभ मिलेगा वहीं स्थानीय नागरिक भी लाभांवित होंगे। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि आज पौधारापेण के माध्यम से बरगद व पाकर के पौधा लगाए जा रहे हैं। आगे भी वर्षा के मौसम में लगाए जाएंगे। आने वाले समय में यमुना की तलहटी और उसके किनारे पौधा रोपण करके आच्छादित किया जाएगा।

ग्रामों से प्लास्टिक एकत्रित करने को गाड़ियां रवाना

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के 123 ग्राम पंचायतों में पॉलीथिन व प्लास्टिक एकत्रित करके उसकी गाड़ियों को निस्तारण के लिए सांसद हेमामालिनी, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ मनीष मीना, एसडीएम अभिनव जैन, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, डीएफओ रजनीकांत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम ने बताया कि प्लास्टिक के निस्तारण के लिए नौहझील में प्लांट लगाया गया है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत अच्छे कार्य करने वाले गांव छटीकरा, सुरीर विजऊ और मांट राजा के प्रधान, पंचायत सचिव और पंचायत सहायक को प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

डीएम ने एक वृद्ध को बताया कार्यक्रम का उद्देश्य

किसानों से खेतों में वृक्ष लगाकर उनका रखरखाव करने को कहा

वरिष्ठ संवाददाता

मांट राजा की प्रधान को सम्मानित करते जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ मनीष मीना, साथ में डीपीआरओ धनंजय जायसवाल।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपनी समस्या के समाधान को आए एक वृद्ध पर उनकी नजर पड़ी। उसके एक हाथ में थैला लगा था। उसे देखकर उन्होंने कहा कि आप बुजुर्ग हैं तभी थैला साथ लेकर चलते हैं। पहले सभी लोग ऐसा ही करते थे। लेकिन आजकल के युवा ऐसा नहीं करते वे कोई भी सामान प्लास्टिक की थैलियों में लेकर आते हैं। डीएम ने फरह गांव के छड़गांव निवासी वृद्ध केदार सिंह से कहा कि आज का कार्यक्रम युवा पीढ़ी को समझाने और उनमें जागरूकता लाने के उद्देश्य से किया गया है। आप भी अपने गांव में जाकर लोगों से कहना कि प्लास्टिक का प्रयोग मत करो, बाजारों सामान लेने जाएं तो घर से कपड़े का एक थैला अवश्य ले जाएं। पॉलीथिन का प्रयोग करके उसको एक जगह घर में रख लें। जब पंचायत की गीला व सूखा कूड़ा उठाने के लिए गाड़ी आए तो उसको दें। पॉलीथिन फेंकने से पर्यावरण खराब होता है। प्लास्टिक को फेंकने से वे नालियों में चली जाती है। उससे नालियां रूक जाती है। गंदगी फैलती है। उन्होंने वृद्ध से पूछा कि आपने कितने पेड़ लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हर किसान अपने खेत में पॉपुलर के पेड़ लगाएं तो उनकी अतिरिक्त आमदनी पेड़ों से होगी। उक्त वृद्ध ने डीएम साहब से कहा कि सरकार को प्लास्टिक बनाने वाली फैक्ट्रियों को बंद कर देना चाहिए। इस पर डीएम ने कहा कि बाबा ने सही बात कही है। फैक्ट्रियों से सरकार को टैक्स मिलता है। इसके अलाव प्लास्टिक के कई सामान बनाये जाते हैं, जो आवश्यक कार्यों में प्रयोग होते हैं।

माथुर चतुर्वेद परिषद ने लगाया खोया पाया कैंप

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के तत्वावधान में आज प्रातः काल से ही युवा समिति के पदाधिकारियों ने खोया पाया कैंप लगाया। इसमें करीब 45 लोगों को आपस में एक दूसरे से उनके परिवार से मिलाया। विश्राम घाट के इंचार्ज बादाम छाप ने शरबत की प्याऊ लगाकर लोगों की दिलों में ठंड पहुंचाई। इस अवसर पर परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी पमपम, संजय एल्पाइन, संजय चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, श्याम, मोनू, मोहित चतुर्वेदी, आनंद चतुर्वेदी, युवा समिति के सौरभ पंडित, गोपाल पाठक, अभिषेक चतुर्वेदी आदि सभी व्यवस्थाओं में लगे थे।

कालिंदी संस्था ने मीठे पानी की प्याऊ लगवाई

प्याऊ पर मीठा पानी पिलाती कालिंदी संस्था की सदस्य।

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर कालिंदी महिला संस्था एवं एलीट न्यू जेनेरेशन इंटरनेशनल स्कूल ने हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं को देखते हुए मीठे पानी की प्याऊ लगवाई। संस्था की प्रेसिडेंट रुमा अग्रवाल, सचिव ललिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंजलि खंडेलवाल, रश्मि शोरावाला, निमिषा तथा रुपाली आदि उपस्थित थी।

मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन ने किया पौधारोपण, लगाई प्याऊ

दी टैक्स बार एसोशिएशन के बैनर तले गंगा दशहरा पर लगाई गई प्याऊ का शुभारंभ करते एडिशन कमिश्नर ग्रेड 2 अपील प्रशांत कुमार, साथ में ज्वाइंट कमिश्नर अनिल कनोजिया व डिप्टी कमिश्नर शिव असारे सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। दी मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के सभी कर अधिवक्ताओं ने गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण, मीठे शरबत की प्याऊ का आयोजन राज्य कर भवन, गोवर्धन रोड, किया। इसका शुभारम्भ एडिशन कमिश्नर ग्रेड 2 अपील प्रशांत कुमार, ज्वाइंट कमिश्नर अनिल कनोजिया, डिप्टी कमिश्नर शिव असारे सिंह, डिप्टी कमिश्नर राम नरेश गुप्ता, असिस्टेंट कमिश्नर नीलेश खरवार, असिस्टेंट कमिश्नर गिरजा नंदन सिंह, सीटीओ सुनीता देवी ने फीता काट कर किया गया। इस आयोजन में वरिष्ठ अधिवक्ता मान सिंह, अरविंद अग्रवाल, प्रभात भार्गव, ज्ञानेंद्र सिंह, राजेश अग्रवाल, राजीव तोमर, अध्यक्ष योगेश कुमार वर्मा, महामंत्री संतोष कुमार भोजवाल, कोषाध्यक्ष हर्षल शर्मा, पन्नालाल, अजवेंद्र सिंह, के के यादव, विकास शर्मा, राम कुमार, गौरांग खंडेलवाल, रमा गोस्वामी, कामिनी चतुर्वेदी, शालिनी चतुर्वेदी, विजय पाल, अक्षय सक्सेना, हेमंत चतुर्वेदी, मनीष दक्ष, शुभम, रामू कौशिक, पवन चौहान, मुकेश खंडेलवाल, मुकेश बाबू, सी ए अंकुर अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल

लूटी गई बाइक, नकदी, मोबाइल व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद

देशी तमंचे व कारतूस भी मिले

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एसओजी और छाता पुलिस की बीती रात बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। घायल बदमाशों से पुलिस ने लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद किया है।

बदमाशों से पुलिस को देशी तमंचे भी मिले हैं। एसपीआरए ने टीम को एसएसपी से 15 हजार रुपये के इनाम की संतुति की है। एसपीआरए सुरेश चंद रावत ने बताया कि 2/3 जून की रात को हाईवे 19 पर तिरुपति धर्मकांटे के समीप बाइक सवार बदमाशों ने हथियारों का भय दिखा कर राहगीर से बाइक और मोबाइल छीन लिया था। इस मामले में कोतवाली छाता में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और एसओजी की टीम को लगाया गया था। एसओजी और छाता पुलिस टीम शेरगढ़–अजनौठी रोड पर अजनौठी के समीप चेकिंग कर रही थी।

इसी बीच बाइक पर आते दो संदिग्ध लोगों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही उन्होंने फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैरो में लगी। गोली लगने से बदमाश मौके पर गिर पड़े। पुलिस ने दोनों घायल हुए बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरन उनके पास से लूटा गया मोबाइल और बाइक के अलावा देशी तमंचे वा कारतूसों के अलावा उनके दो अपने मोबाइल 900 रुपये की नकदी लूटी हुई बाइक व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में यशपाल उर्फ यश निवासी रनवारी छाता व ललित कुमार निवासी रनवारी छाता है।

कोसी पुलिस की बदमाशों से हुई मुठभेड़

दो इनामिया बदमाशों के पैरों में गोली लगी, गिरफ्तार

22,200 की नकदी, बाइक और देशी तमंचे कारतूस मिले

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो इनामी बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली दोनों के पैरों में लगी है। पुलिस ने बदमाशों के पास से 22 हजार 200 रुपये भी बरामद किए हैं जो चोरी के बताए गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि एक सूचना के आधार पर कल न्यू कोसी कामर रोड पर नवीपुर इंडस्ट्रीयल एरिया से आ रहे रास्ते पर बाइक सवार बदमाशों के साथ पुलिस टीम की मुठभेड़ हो गई। पुलिस पर बदमाशों ने फायरिंग की जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैरों में लगी जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने मौके से बंटी सिंह व सूरज उर्फ नैनू निवासी मररौली थाना मुंडकटी जिला पलवल को घायलावस्था में गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी पर 15–15 हजार रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस ने इनके कब्जे से 22 हजार 200 रुपये की नकदी देशी तमंचे कारतूस व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। अभियुक्तों ने बताया कि बाइक से हाईवे पर जाते लोगों को लिफ्ट के नाम पर बाइक पर बिठाने के बाद उनसे लूटपाट करके छोड़ देते थे। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक, उप निरीक्षक दुष्यंत कुमार कौशिक, अंकित मलिक प्रदीप कुमार आदि शामिल थे।

बांके बिहारी कॉरिडोर से निखरेगा वृंदावन का आध्यात्मिक वैभव

यमुना घाटों से लेकर सप्तदेवालय तक होगा विकास

यूनिक समय, वृंदावन। श्री बांके बिहारी जी मंदिर से जुड़ा बिहारीजी कॉरिडोर न सिर्फ श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि वृंदावन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप को भी निखारने जा रहा है। जिला प्रशासन और ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने मिलकर वृंदावन के समग्र विकास की योजना तैयार की है, जिसमें परिक्रमा मार्ग, यमुना घाट, सप्तदेवालय सर्किट और वन क्षेत्र का सौंदर्यीकरण प्रमुख है।

करीब 5.25 एकड़ में बनने वाला यह कॉरिडोर 10 हजार श्रद्धालुओं को समायोजित करने की क्षमता रखेगा। इसके सामने यमुना नदी पर ब्रज सिग्नेचर ब्रिज और रिवर फ्रंट का विकास प्रस्तावित है। परिक्रमा मार्ग को घाटों से जोड़ते हुए यमुना जल लाने की योजना श्रद्धालुओं को वृंदावन की प्राचीनता से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

परिषद 125 एकड़ में कृष्णकालीन पौधों का वन विकसित कर रही है, जहाँ पीपल, बरगद, कदंब आदि वृक्ष लगाए जाएंगे। साथ ही सप्तदेवालय सर्किट को भी सुगम और सुव्यवस्थित बनाया जाएगा, जिससे भक्त एक साथ सभी प्रमुख मंदिरों के दर्शन कर सकें।

इसके अलावा यमुना किनारे स्थित कुंभ क्षेत्र को रमणीक आध्यात्मिक स्थल में बदला जाएगा, जहाँ वृक्षों की छांव में कथा, साधना और ध्यान जैसी गतिविधियाँ संचालित होंगी।

हालांकि सेवायतों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन का मानना है कि यह परियोजना वृंदावन को वैश्विक धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगी।

मुड़िया मेले की व्यवस्थाओं में जुटी नगर पंचायत

नगर पंचायत गोवर्धन के कार्यालय में बैठक करती नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा देवी शर्मा।

चेयरमैन ने बैठक कर कर्मचारियों को सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। राजकीय गुरु पूर्णिमा मेला की व्यवस्थाओं को लेकर नगर पंचायत व्यवस्थाओं में जुट गई है। गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभा देवी शर्मा ने मेला व्यवस्थाओं के लिए अधीनस्थ कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धाभाव से व्यवस्थाओं में जुटने के निर्देश दिए। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभादेवी शर्मा व अधिशाषी अधिकारी चैतन्य तिवारी ने अधीनस्थ कर्मचारियों को मेला क्षेत्र में सफाई, प्रकाश, पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश देते हुए अब तक किए गए कार्यों की प्रगति जानी। अधिशाषी अधिकारी चैतन्य तिवारी ने अध्यक्ष प्रभा देवी शर्मा को नगर पंचायत की ओर चल रही मेला व्यवस्थाओं से अवगत करते हुए, सुभाष तिवारी को निर्देशित किया कि परिक्रमा मार्ग में निराश्रित गौवंश घूम रहा है। अतः तीव्र गति से गौवंश को पकड़ कर गौशालाओं में पहुंचाए।

मेले के दौरान निराश्रित गौवंश न दिखे। सफाई की समुचित व्यवस्था के लिए सफाई निरीक्षक नानक चंद शर्मा को जिम्मेदारी देते हुए अतिरिक्त सफाई कर्मियों की समय वार नियुक्ति कर कार्य कराने व तय अवधि में नाली नालों की सफाई संपन्न कराने को निर्देशित किया। उन्होंने समूचे मेला क्षेत्र में नगर पंचायत स्तर से प्रकाश व्यवस्था के लिए एल ई डी लाइट व बल्ब लगाने के निर्देश दिए। मेला के दौरान बारिश के चलते होने वाले जलभराव को तत्काल निकालने व मुख्य आबादी में जलभराव न होने के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रैक्टर इंजन व छोटी इंजिन ट्रॉलियां रखने के निर्देश प्रभारी दीवान सिंह को दिए। अध्यक्ष प्रभा देवी शर्मा ने अधिशाषी अधिकारी को मेला अवधि तक सभी नगर पंचायत कर्मचारियों के अवकाश निरस्त करने के साथ साथ युद्ध स्तर पर मेला व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

गूंगी बहरी किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली वृंदावन क्षेत्र में एक गूंगी बहरी लड़की ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। किशोरी के परिवार के अन्य लोग भी गूंगे बहरे बताए जाते हैं। पानीघाट वृंदावन इलाके में रहने वाले बबलू गूंगा बहरा है। यही नहीं उसके परिवार में पत्नी, बहन और 13 साल की बेटी लता भी गूंगी बहरी है। बबलू टेंपो स्टेंड के पास ठेल पर गन्ने का रस बिक्री करता है। कल उसकी बेटी लता ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। उसकी बुआ ने जब उसे फांसी के फंदे पर लटके देखा तो बाहर लोगों को हाथों के इशारे से बताया। कुछ ही देर में आस पास के लोग बबलू के घर में आ गए। पुलिस को भी बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम गृह पर आए पड़ोसियों ने बताया कि घर पर कोई ऐसा कुछ नजर नहीं आया कि किशोरी ने जिस कारण से ऐसा किया है। हर कोई किशोरी द्वारा आत्महत्या करने की खबर को लेकर सकते में है।

धनगर समाज के मेधावियों का पुरस्कार वितरण 15 को

यूनिक समय, मथुरा। मिशन परिवर्तन धनगर समाज ने जिले की धनगर समाज के मेधावी छात्र छात्राओं को 15 जून को सम्मानित किया जाएगा। संगठन मंत्री रामप्रसाद धनगर के आवास पर पूर्व प्रधान रामहेत धनगर की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिला महामंत्री चंद्रभान धनगर ने बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यू.पी. बोर्ड की 10–12 वीं परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक, अन्य बोर्ड में 80 प्रतिशत से अधिक, उच्च शिक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा अन्य स्पर्धा में जिला स्तरीय मेडल व प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को मिशन परिवर्तन धनगर समाज मथुरा के तत्वावधान में 15 जून को विनायक पैलेस में प्रातः 10 बजे से सम्मानित किया जाएगा। योग्य अभ्यर्थी अंक पत्र पर अपना पता लिखकर 12 जून तक 9219115702 एवं 9012061638 पर भेज सकते हैं।

रियल स्टेट में निवेश के लिए बाहरी लोग दिखा रहे दिलचस्पी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रियल स्टेट में बाहर के लोगों की निवेश करने में दिल चस्पी बढ़ती चली जा रही है। यही कारण है कि रजिस्ट्री कार्यालय भी राजस्व लाने में पीछे नहीं रह रहा है। ऐसा देखा जा रहा है, कि मथुरा में संपत्ति की रजिस्ट्री पिछले साल 2024 के मार्च माह में 12096 हुई, इसका राजस्व 78 करोड़ 27 लाख 93 हजार हुआ है। इसी साल अप्रैल माह में रजिस्ट्री 11247 हुई थी। इसका राजस्व 70 करोड़ 81 लाख 3 हजार हुआ। सूत्रों के अनुसार इस साल 2025 मार्च माह में रजिस्ट्री 11646 दर्ज की गई है, इसका राजस्व 79 करोड़ 7 लाख 52 हजार रुपये का राजस्व का प्राप्त हआ। इस साल अप्रैल माह में रजिस्ट्री 11540 हुई है। इसका राजस्व पिछले साल की अपेक्षा 85 करोड़ 38 लाख 32 हजार की रास्जव की प्राप्ति हुई है। एक अधिकारी के आकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष 2024 की अपेक्षा इस साल 2025 में अच्छी खासी रास्जव की प्राप्ति हुई है। मथुरा में रियल एस्टेट में एक नई तेजी देखी जा रही है, जो न केवल सरकारी राजस्व में इजाफा हो रहा है साथ स्थानीय बाजारों में खरीद

रजिस्ट्री कार्यालय भी सरकारी खजाने को भरने में पीछे नहीं

फरोख्त ज्यादा हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक मार्च और अप्रैल 2024 के मुकाबले 2025 में कुल रजिस्ट्री की संख्या थोड़ी सी कम हुई है, लेकिन राजस्व में काफी इजाफा देखा जा रहा है। मार्च और अप्रैल 2024 में इन दो माह के अंदर 23343 रजिस्ट्री हुई हैं और 2025 रजिस्ट्ररी 357 की कमी दर्ज हुई है, जानकारों के अनुसार पिछले साल की अपेक्षा इस साल में राजस्व में काफी इजाफा देखा जा रहा है। एक अधिकारी के अनुसार उन्होंने बताया कि मथुरा और वृंदावन के धार्मिक महत्व को देखते हुए देशभर से लोग यहां निवेश करना चाहते हैं। तीर्थयात्रियों और स्थायी निवासियों के लिए फ्लैट और प्लॉट की माँग लगातार बढ़ रही है, बैंक लोन की आसान उपलब्धता बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा कम ब्याज दरों पर होम लोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिसके चलते रजिस्ट्री की संख्या में आए दिन इजाफा होता जा रहा है। रजिस्ट्री की संख्या बढ़ने का सीधा असर सरकारी राजस्व पर पड़ता है।

जिला अस्पताल में मौसम के बदलाव से बढ़े गेस्ट्रोएंटेराइटिस के मरीज

एक रोगी की जांच करते डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में गर्मी और उमस भरे मौसम में अचानक हो रहे बदलाव का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी साफ दिखाई देने लगा है। खासतौर पर पेट से जुड़ी बीमारियों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जिला अस्पताल में इन दिनों एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर दिन ओपीडी में इस बीमारी के 150 से लेकर 180 मरीज सामने आ रहे हैं, इनमें से 20 से 30 मरीजों अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। जिला अस्पताल के डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से मौसम असमान्य बना हुआ है। कभी तेज धूप तो कभी अचानक तेज हवा और बूंदाबांदी ने लोगों को परेशान कर रखा है। ऐसे हालातों में दूषित पानी, बासी भोजन और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर देखा जा रहा है। गर्मी में बैक्टीरिया की सक्रियता बढ़ जाती है और दूषित पानी या भोजन का सेवन करने से पेट में संक्रमण की संभावना अधिक हो जाती है। डॉ. धनगर ने बताया कि एक्यूट गैस्ट्रो एंटराइटिस के मरीजों की संख्या में अधिक मरीज दस्त, उल्टी और पेट दर्द, सिद दर्द की शिकायत लेकर आ रहे है। मरीजों को बचने के उपाय भी बताए जा रहे है। नींबू पानी, ग्लूकोज समय–समय पर लेते रहे। इसमें लापरवाही नहीं करनी चाहिए। नजदीकी डॉक्टर से परामर्श लेनी चाहिए।

जीव का कल्याण प्रभु भजन के बिना संभव नहीं : तरुणकृष्ण

यूनिक समय, मथुरा। बाल व्यास तरुण कृष्ण शास्त्री ने गांव मूरजा मां में चल रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रोताओं को भागवत श्रवण कराया। कहा कि पिता के तिस्कार से क्षुब्ध होकर मां की आज्ञा पर ध्रुव ने वर्षों तक प्रभु भजन करके हरि की प्राप्ति की। तभी उनका कल्याण हुआ। कार्यक्रम संमें सतीश, महेश, युगदेव, दिनेश, मुकेश, प्रदीप, गेंदालाल, विनोद, अंकुर, राजेश, योगेश, दीपू व मनीष उपस्थित थे।

यमुना एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर से बाइक टकराई, युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन संख्या 137 के समीप रात को एक युवक की बाइक डिवाइडर से टकरा गई जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत होगई। बलदेव पुलिस के अनुसार रात को सूचना मिली कि यमुना एक्सप्रेस वे माइल स्टोन संख्या 137 के समीप एक बाइक सवार की डिवाइडर से टकराने के कारण मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की तो पता लगा मृतक युवक हिमांशू निवासी गढ़ी रंछोड़ थाना नारखी जिला फिरोजाबाद है। युवक स्पलेंडर मोटरसाइकिल से नोएडा से फिरोजाबाद के लिए जा रहा था। रात में उसकी मोटरसाइकिल डिवायडर से टकरा गई जिससे उसकी मौत हो गई। हिमांशु के परिवार के लोगों को भी उसके साथ हुई इस दुखद घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूसा बासमती का 10 कुंतल बीज अड़ींग में बांटा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा दिल्ली ने नेमा परियोजना में धान की बासमती किस्म 1985,1718 एवं 1692 का 10 कुंतल बीज गांव अड़ींग के किसानों को निःशुल्क प्रदान किया। वक्ताओं ने नये बीज से अगले साल के लिए बीज बनाने की जानकारी दी। एक सोच फाउंडेशन एवं अड़ींग एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सौजन्य से ब्रज वाटिका में बीज वितरण हुआ। बीज प्रदान करते हुए फाउंडेशन के अजय सुमन शुक्ला ने कहा कि सीधे बुवाई के बहुत फायदे हैं। हरियाणा–पंजाब के अनेक किसान इस तकनीक को अपना रहे हैं। इससे लागत में कटौती और फसल गिरने की समस्या से निजात मिलती है। कृषि पत्रकार दिलीप कुमार यादव ने कहा कि एक दशक पहले वह सीमेंट के सहयोग से माधुरी कुण्ड फार्म पर इस तकनीक का सफल प्रयास देख चुके हैं। गांव अड़ींग में भी गेहूं बुवाई मशीन से ही इस तरीके की धान की खेती करके देख चुके हैं। इस बीज से किसान अगले साल के लिए बीज तैयार करें। रिटायर्ड प्रोफेसर नबाब सिंह, फाउंडेशन के शिव प्रकाश ने विचार व्यक्त किए। किसान हरीमोहन शर्मा, गब्बर ठाकुर, राकेश चौधरी, डालचंद टेलर, ओमी यादव, बल्लू के अलावा दो दर्जन महिलाओं को बीज किट प्रदान की गई।

परशुराम शोभायात्रा समिति ने बांटा मिल्क रोज

परशुराम शोभायात्रा समिति के पदाधिकारी श्रद्धालुओं को गंगा दशहरा पर मिल्क रोज बांटते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। आज सुबह से भगवान परशुराम शोभा यात्रा समिति ने जीवी प्लाजा परशुराम शोभायात्रा समिति के कार्यालय पर श्रद्धालुओं के लिए मिल्क रोज वितरण किया। इस अवसर पर संरक्षक संस्थापक मनोज शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल, महामंत्री बंसीलाल शर्मा, सचिव राकेश गौड़, संजय पिपोरिया, लब्बू पंडित एवं प्रेम बिहारी शास्त्री उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री का किया गया स्वागत

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का स्वागत करते सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के जनपद के आगमन पर संस्थान सचिव नारायण प्रसाद शर्मा ने दुशाला पटका व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस मौके पर संस्थान के पदाधिकारियों ने बांकेबिहारी कॉरिडोर बनाए जाने को समर्थन किया। इस मौके पर जयप्रकाश शर्मा, दिनेश शर्मा, मनोज शर्मा, बिहारी लाल गोस्वामी, ललित स्वामी, तरुण स्वामी, महेंद्र दत्त, पंकज शर्मा तथा स्वरूप शर्मा आदि उपस्थित थे।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' समय की पुकार: डिप्टी सीएम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से "एक राष्ट्र, एक चुनाव" अभियान के तहत सामाजिक संगठन संवाद कार्यक्रम का आयोजन मथुरा के एस.के.एस. ग्रैंड में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य एवं मथुरा प्रभारी अशोक कटारिया, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे, विधायक मेघश्याम, व अन्य गणमान्य नेताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

एक राष्ट्र, एक चुनाव अभियान के तहत मथुरा में सामाजिक संगठन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि "एक राष्ट्र, एक चुनाव" समय की आवश्यकता है, जो लोकतंत्र को स्थायित्व देगा और बार–बार के चुनावों से होने वाले आर्थिक व्यय और व्यवधान को समाप्त करेगा।

उन्होंने बताया कि बार–बार चुनावों से लगभग 3.5 से 4.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसे विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। साथ ही, यह व्यवस्था देश में राजनीतिक स्थिरता लाएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएगी।

अशोक कटारिया ने प्रधानमंत्री मोदी के इस विजन को सराहते हुए कहा कि यह विचार 2019 में सरदार पटेल की प्रतिमा अनावरण के अवसर पर प्रस्तुत किया गया था, जिसे अब साकार करने की आवश्यकता है।

आभार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि मथुरा में समाज के सभी संगठनों का सहयोग यह दर्शाता है कि आम जनता भी इस सोच के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। मंच साझा महानगर के पूर्व अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पन्नालाल गौतम, पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकांत गर्ग, पूर्व महापौर डॉ मुकेश आर्य बंधु, निरंजन सिंह धनगर डॉ. देवेंद्र शर्मा एवं संजय शर्मा ने किया। संचालन रामकिशन पाठक ने किया। इस अवसर पर पवन हिंडौल, अंकुर अग्रवाल, हरिओम शर्मा, ज्ञानेंद्र राणा, विजय शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, ललित गौतम, मनोज सरोठ, योगेश द्विवेदी, नितिन चतुर्वेदी, अमित पाठक, विनीत शर्मा, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय, नितिन कौशिक, हाकिम सिंह टीटू, लोकेश तायल तथा सुनील तरकर आदि उपस्थित थे।

डिप्टी सीएम का किया स्वागत

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का स्वागत करते लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अंकित बंसल फूड्स।

यूनिक समय, मथुरा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष अंकित बंसल आदि कार्यकर्ताओं ने स्मृति चिन्ह भेंट स्वागत किया।

पर्यावरण दिवस पर संकल्प लें, हर साल एक पेड़ जरूर लगाएँ

भगत सिंह पार्क में पौधारोपण के समय महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जगप्रवेश आदि।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम के अधिकारियों ने जन प्रतिनिधियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डेंपियर नगर स्थित भगत सिंह पार्क में पौधारोपण किया। महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि हमें हर दिन प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। वृक्ष लगाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिससे न केवल पर्यावरण संतुलन बना रहता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जीवन मिल सकता है। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। नगर निगम लगातार वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण जैसे प्रयासों से पर्यावरण की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। सभी नागरिकों को मिलकर इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में पार्षद मनोज कुमार शर्मा, पार्षद तरुण सैनी, मुख्य अभियंता निर्माण संजय चौहान, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, अवर अभियंता मुनि देव तथा अवर अभियंता इमरान उपस्थित थे।

रिफाइनरी में पौधे को जल देते अधिकारी।

रिफाइनरी में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर मथुरा रिफाइनरी में बीट प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यावरण को रोकने के लिए सपथ ली गई। मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक मुकुल अग्रवाल ने इकोलोजिकल पार्क में गुरुवार को पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखने की आवश्यकता है, सिंगल यूस प्लास्टिक पूरे विश्व की सबसे बड़ी समस्या है जिसने सभी जीवों को प्रभावित किया है और हम सभी को मिलकर इससे लड़ने के लिए कारगर कदम उठाने होंगे। इस मौके पर सुरेश, अरविंद कुमार, एच एस रुखियार, रामकिशन एवं रविन्द्र यादव आदि मौजूद थे।

जीएलए में विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़ लगाओ प्रकृति बचाओ का संदेश

जीएलए विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता, सीएफओ विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'पेड़ लगाओ, प्रकृति बचाओ' का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीएफओ विवेक अग्रवाल और कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने मिलकर बरगद, मोलश्री, कदम, कनेर और गुड़हल जैसे पौधे लगाए। उन्होंने पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली और समय-समय पर वृक्षारोपण की शपथ ली। सीएफओ विवेक अग्रवाल ने कहा कि मजबूत इरादों के साथ हरित विकास की ओर बढ़ें तो सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने प्रकृति के संवर्धन को समय की आवश्यकता बताया और कहा कि सामूहिक प्रयास से ही समाजिक विकास के साथ प्रकृति संरक्षण की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय में 6,000 से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल का उद्देश्य है कि

जीएलए के कुलपति, सीएफओ और कुलसचिव ने वृक्षारोपण कर दिया प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन पर जोर

विश्वविद्यालय परिसर का तापमान बाहर के तापमान से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम हो, जिसके लिए विश्वविद्यालय की हॉर्टीकल्चर टीम निरंतर प्रयासरत है। कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष अब तक विश्वविद्यालय में 500 से अधिक पौधों का रोपण हो चुका है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय का हॉर्टीकल्चर विभाग सुनरख स्थित रामताल, रंगजी मंदिर स्थित ब्रह्मकुंड, रसखान समाधि, ताजबीबी, कुसुम सरोवर और पांच पारि परिषदीय विद्यालयों को भी हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी निभा रहा है। इस अवसर पर हॉर्टीकल्चर अधीक्षक डॉ. गुलाब सिंह, फैजुल हसन, श्याम सिंह, उदयवीर, सुरेंद्र सिंह, रीना राय और कन्हैया आदि उपस्थित रहे।

जेल परिसर में लगाए गए पौधे

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला कारागार परिसर और कर्मचारियों के आवासों के आस-पास पौधा रोपण किया गया। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने बताया कि पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने के लिए भी लोगों को जागृत किया गया। इसके साथ कारागार कार्मिकों को अपने-अपने घरों के आस पास कम से कम दो पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही कारागार कार्मिकों एवं बंदियों को प्लास्टिक से दूरी बनाने एवं उसके विकल्पों को प्रयोग करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर कारापाल सुशील कुमार वर्मा, उपकारापाल दुर्गेश प्रताप सिंह, अनूप कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. उपेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, फार्मासिस्ट सुभाष द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

जिला कारागार में पौधा रोपण करते जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग के साथ जेल के अन्य अधिकारी।

जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल ने मनाया गंगा दशहरा व विश्व पर्यावरण दिवस

जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज में पौधारोपण करते छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। जी एम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कुंजेरा रोड नीमगांव गोवर्धन में गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर नर्सिंग के छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण एवं गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर साफ सफाई की गई। कॉलेज डायरेक्टर बी बी शर्मा ने कहा कि गंगा दशहरा पर पेड़ बहुत ही अच्छा होता है। पौधारोपण सभी को करना चाहिए। इस मौके पर तेजेंद्र शर्मा, चंचल कुमार सैनी, विशाल सिंघल, कोमल, राहुल, कन्हैया सैनी, विकाश यादव, चारुल शर्मा, रामकुमार सैनी, बलदेव सैनी, दीनदयाल, गुरुदेव, बलराम तथा मनोज आदि मौजूद थे।

बीआरसी बलदेव में किया गया पौधारोपण

संवाददाता

यूनिक समय, बलदेव (मथुरा)। खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार के निर्देशन में पर्यावरण दिवस पर ब्लॉक संसाधन केंद्र बलदेव पर 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के अंतर्गत पौधारोपण किया। निवर्तमान एकेडमिक रिसोर्स पर्सन डॉ. जगदीश पाठक एवं प्रधानाध्यापक सुजीत वर्मा ने कहा कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं, दिन प्रतिदिन पृथ्वी से वृक्षों के कम होने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इस अवसर पर प्रतीक मिश्रा, जय कौल, बृजेश कुमार, सुभाष कुमार तथा नाम शरण सुजान आदि उपस्थित थे।

बीआरसी में पौधारोपण करते शिक्षक।

एनसीसी कैडेटों ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राजकीय संग्रहालय में पौधारोपण किए

यूनिक समय, मथुरा। 11 यू.पी. एनसीसी वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल रजत पाण्डेय के निर्देशन में किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हमारा कर्तव्य ही नहीं, जिम्मेदारी भी है। कैडेटों द्वारा किया गया यह प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देगा। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम कर, प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक ने कहा कि प्रत्येक वर्ष हम सबको कम से कम एक पौधा अपने जीवन के लिये लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए जो की एक सच्ची राष्ट्रभक्ति होगी। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर महेश कुमार, हीरालाल शर्मा, प्रवेश शर्मा, वीरेंद्र यादव, संतोष कुमार, भूरी सिंह, अंडर ऑफिसर कृष्णकांत चौधरी, सार्जेंट मनीष कुमार आदि उपस्थित थे।

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पौधारोपण करते 11 यू.पी. एनसीसी वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल रजत पाण्डेय आदि।

राजकीय संग्रहालय में पौधारोपण करते अधिकारी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय संग्रहालय परिसर में कई तरह के पौधारोपण किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सुनील कुमार ने किया। संग्रहालय के अधिकारी ने कहा कि आज का दिन सबके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। सभी को पौधे लगाने चाहिए। सभी को हरियाली का बहुत जरूरत है।

मथुरा मेडिकल एसोसिएशन और नगर आयुक्त ने लगाए 5000 पौधे

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मथुरा मेडिकल एसोसिएशन और नगर निगम ने गोवर्धन चौराहे पर विशाल वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इसमें लगभग 5,000 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में आईएमए के अध्यक्ष डॉ. बृजेन्द्र कुमार तिवारी, सचिव डॉ. गौरव भारद्वाज और नगर निगम के आयुक्त जग प्रवेश ने पौधारोपण किया और सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि "आईएमए मथुरा के अध्यक्ष और सचिव ने 5,000 से अधिक पौधे लगाए हैं। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि एक पेड़ माँ के नाम से लगाएं। डॉ. बृजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि गोवर्धन चौराहे पर लगाए गए पौधों में वर्टिकल और होरिजेंटल दोनों प्रकार के पौधे शामिल हैं। डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि "पौधों की देखभाल के लिए आईएमए मथुरा जिम्मेदारी लेता है और एक माली उपलब्ध कराएगा।" इस कार्यक्रम में 70 से अधिक वरिष्ठ चिकित्सक और समाजसेवी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पर्यावरण संरक्षण मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम- "प्लास्टिक प्रदूषण को हराना"

प्लास्टिक के जहर से शरीर हो रहा बीमार

यूनिक समय, मथुरा। हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, और इस बार 2025 की थीम है "प्लास्टिक प्रदूषण को हराना"। यह सिर्फ एक जागरूकता अभियान नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। क्योंकि प्लास्टिक न केवल प्रकृति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि इंसानी शरीर को भी भीतर से बीमार कर रही है।

आज हम जितनी आसानी से प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं, उतना ही मुश्किल हो रहा है इसके प्रभावों से बचना। घर, बाजार, दफ्तर, स्कूल हर जगह प्लास्टिक हमारी जिंदगी में घुस चुकी है।

यहां तक कि वह चाय का कप, जिसमें आप सुबह की शुरुआत करते हैं, वह भी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

प्लास्टिक के अति सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, हवा, पानी और खाने के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। ये कण न केवल फेफड़ों, दिमाग, और रक्तप्रवाह तक पहुंचते हैं, बल्कि शरीर की कोशिकाओं में जाकर सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव, और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएं भी पैदा करते हैं। ये कण रक्त प्रवाह में जाकर धमनियों को सख्त बना सकते हैं, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है।

अगर आप अपनी रसोई की तरफ नज़र डालें, तो मसालों, दालों के डिब्बों से लेकर पानी की बोतलों, टिफिन बॉक्स, और माइक्रोवेव कंटेनर तक हर चीज में प्लास्टिक का अंश मिलेगा। यहां तक कि कुछ लोग "यूज़ एंड थ्रो" प्लास्टिक के बर्तन और चम्मचों का बार-बार उपयोग करते हैं, जो और भी खतरनाक साबित होता है।

अक्सर लोग चाय पीने के लिए पेपर कप या प्लास्टिक ग्लास का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन कपों के अंदर एक पतली प्लास्टिक की कोटिंग होती है? जैसे ही गर्म चाय उसमें डाली जाती है, यह परत पिघलने लगती है और माइक्रोप्लास्टिक कण चाय में मिल जाते हैं, जो सीधे पेट में जाकर नुकसान पहुंचाते हैं।

हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक कण सांस के जरिए शरीर में जाकर अस्थमा, एलर्जी और पल्मोनरी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। प्लास्टिक में मौजूद BPA और phthalates जैसे रसायन शरीर के एंडोक्राइन सिस्टम को प्रभावित करते हैं, जिससे प्रजनन क्षमता और बच्चों के विकास पर असर होता है। माइक्रोप्लास्टिक रक्त प्रवाह को बाधित कर सकते हैं, जिससे दिल की बीमारियां और न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हो सकती हैं। लगातार प्लास्टिक के संपर्क में रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है।

प्लास्टिक के कारण दो गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं अस्थमा और पल्मोनरी कैंसर। खासकर जब प्लास्टिक को जलाया जाता है, तो उसमें से जो जहरीली गैसें निकलती हैं, वे सांस के जरिए शरीर में जाकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा देती हैं। अब जरूरत है जागरूक बनने की। स्टील, कांच और मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करें, यूज़ एंड थ्रो वस्तुओं से परहेज करें, बच्चों के टिफिन और पानी की बोतल मेटल की लें, चाय-पानी के लिए पेपर या प्लास्टिक कप की बजाय घर से अपना कप ले जाएं और प्लास्टिक को जलाने की बजाय रिसाइकल करें या सही तरीके से नष्ट करें। प्लास्टिक की यह सुविधा अब बीमारी का कारण बन चुकी है। यदि अभी नहीं चेते, तो आने वाले समय में इसका असर और भी गंभीर होगा। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सबको मिलकर यह प्रण लेना चाहिए कि प्लास्टिक को हराना है खुद को और प्रकृति को बचाना है।

गलत कंघी करने की आदतें बना रही हैं आपके बालों को कमजोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपके बाल तेजी से झड़ने लगे हैं और आपको समझ नहीं आ रहा कि कारण क्या है? तो एक बार अपने कंघी करने के तरीके पर जरूर ध्यान दें। ज्यादातर लोग बालों को सुलझाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो हेयर फॉल का एक बड़ा कारण बन जाती हैं। जानते हैं कैसे कंघी करना चाहिए ताकि बाल स्वस्थ और मजबूत बने रहें।

अक्सर लोग बालों को सिर की जड़ों से सुलझाना शुरू करते हैं, जो एक बड़ी भूल है। इससे बाल खिंचते हैं और जड़ें कमजोर होने लगती हैं। आपको हमेशा बालों को नीचे से सुलझाना शुरू करना चाहिए। छोटे-छोटे सेक्शन में बालों को सुलझाते हुए धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ें। इससे बाल आसानी से सुलझते हैं और टूटने की संभावना कम हो जाती है।

यदि आप प्लास्टिक की कंघी का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो अब वक्त है इसे बदलने का। प्लास्टिक कंघी से बालों में रगड़ ज्यादा होती है जिससे बाल टूटते हैं। इसके बजाय, चौड़े दांतों वाली लकड़ी की कंघी का उपयोग करें, जो बालों और स्कैल्प दोनों के लिए बेहतर होती है।

गीले बाल सबसे ज्यादा नाजुक होते हैं। ऐसे में उन्हें कंघी करने से बाल टूट सकते हैं और स्कैल्प पर खिंचाव आ सकता है। जब बाल हल्के सूख जाएं तभी उन्हें सुलझाना चाहिए।

दिन में बार-बार कंघी करना भी हेयर फॉल का कारण बन सकता है। दिन में 2-3 बार कंघी करना ही पर्याप्त है। जरूरत से ज्यादा कंघी करने से बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं।

छोटी-छोटी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं। यदि आप कंघी करने का सही तरीका अपनाते हैं, तो बालों को झड़ने से बचाया जा सकता है और उन्हें हेल्दी और मजबूत बनाया जा सकता है।

क्या कभी ट्राई किया ओट्स उपमा?

हर उम्र के लिए भरपूर है सुपर स्नैक

यूनिक समय, मथुरा। क्या आप भी ब्रेकफास्ट या फिर स्नैक्स के लिए हेल्दी ऑप्शन ढूंढ रहे हैं? अगर हां, तो आपको ओट्स उपमा की इस बेहद आसान रेसिपी को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। उपमा ओट्स बनाने के लिए, आपको एक कप ओट्स, आधा बारीक कटा हुआ प्याज, एक-चौथाई कप बारीक कटी हुई गाजर, एक-चौथाई कप बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, एक-चौथाई कप मटर, एक बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हाफ इंच कद्दूकस की हुई अदरक, 6 करी पत्ते, हाफ छोटी स्पून राई, हाफ छोटी स्पून उड़द दाल, हाफ छोटी स्पून चना दाल, एक-चौथाई स्पून हल्दी पाउडर, नमक, एक बड़ी स्पून तेल, एक छोटी स्पून नींबू का रस, एक बड़ा स्पून बारीक

कटा हुआ हरा धनिया और 2 कप पानी की जरूरत पड़ेगी।

बनाने की विधि : कड़ाही में ओट्स को धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए सूखा भून लीजिए। सूखा भुने हुए ओट्स को अलग कर इसी कड़ाही में तेल गर्म कर लें। आपको गर्म तेल में राई, उड़द दाल और चना दाल को सुनहरा होने तक चलाते रहना है और फिर इसमें करी पत्ता, कद्दूकस की हुई अदरक और हरी मिर्च एड कर इन्हें भी भून लेना है। अब कड़ाही में बारीक कटी हुई प्याज डालकर इसे भी भून लीजिए। आखिर में गाजर, शिमला मिर्च और मटर के दाने डालकर इन्हें दो मिनट तक कुक करें जिससे सब्जियां नरम हो जाएं। अब कड़ाही में हल्दी पाउडर और नमक एड कर मिक्स कर लीजिए और फिर इसमें दो कप पानी एड कर इस मिक्सचर को बॉइल होने दीजिए।

पानी में उबाल आने के बाद इसमें भुने हुए ओट्स मिला लीजिए और लगभग 5 मिनट तक धीमी आंच पर कड़ाही को ढका रहने दें जिससे ओट्स पानी सोख ले। आखिर में गैस बंद करके आप ओट्स उपमा में नींबू का रस और बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिला सकते हैं जिससे इसका स्वाद बढ़ जाए। आप गर्मागर्म ओट्स उपमा को नारियल की चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को ये हेल्दी डिश काफी ज्यादा पसंद आएगी।

कुफरी : बर्फबारी, रोमांच और प्राकृतिक सौंदर्य का आदर्श संगम

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक कुफरी, प्रकृति प्रेमियों और साहसिक खेलों के शौकीनों के लिए, किसी स्वर्ग से कम नहीं है। शिमला से लगभग 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह सुंदर हिल स्टेशन अपनी बर्फबारी, प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक गतिविधियों के कारण हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। 'कुफरी' शब्द की उत्पत्ति स्थानीय भाषा के 'कुफर' से हुई है, जिसका अर्थ होता है 'झील'। यहाँ का मौसम साल भर सुहावना बना रहता है, लेकिन दिसंबर से फरवरी के बीच की बर्फबारी इस स्थान को बर्फ की सफेद चादर में ढक देती है और इसकी खूबसूरती अपने चरम पर पहुँच जाती है। इसी कारण यह समय स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। सर्दियों में यहाँ का वातावरण इतना आकर्षक हो जाता है कि लोग दूर-दूर से केवल बर्फबारी देखने और बर्फ में खेलने के लिए यहाँ आते हैं।

कुफरी हिमाचल का एक प्रमुख स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग स्थल माना जाता है। जब पूरा इलाका बर्फ से ढका होता है, तब पर्यटक स्की स्लोप्स पर फिसलने और स्नोबोर्डिंग का आनंद लेने के लिए उमड़ पड़ते हैं। एडवेंचर प्रेमियों के लिए यह अनुभव रोमांच से भरपूर होता है। इस हिल स्टेशन की सबसे ऊँची चोटी महासू पीक से बर्फ से ढके हिमालय पर्वतों का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। यहाँ पहुँचने के लिए लोग टट्टू की सवारी का भी आनंद लेते हैं, जो बच्चों और बड़ों दोनों को लुभाता है। प्राकृतिक प्रेमियों के लिए हिमालयन नेचर पार्क विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र है। इस पार्क में हिमालयी जीव-जंतु जैसे हिमालयन मोनाल (जो हिमाचल का राज्य पक्षी भी है), तेंदुआ, भालू और कई अन्य पशु-पक्षी देखे जा सकते हैं। यह जगह उन लोगों के लिए आदर्श है जो प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हैं। इसके अलावा, कुफरी में फन वर्ल्ड नामक एक एम्यूज़मेंट पार्क भी है, जहाँ स्कीइंग स्लोप, ट्यूब स्लाइड्स और बच्चों के लिए कई मजेदार गतिविधियाँ हैं। यह स्थान विशेषकर परिवारों और बच्चों को खूब पसंद आता है।

कुफरी में पर्यटकों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध हैं जैसे स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, घुड़सवारी, याक राइडिंग, हाइकिंग, ट्रेकिंग, फोटोग्राफी, और नेचर वॉक आदि। स्थानीय बाजारों में हिमाचली हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। यहाँ के ऊनी कपड़े, टोपियाँ, शॉल और लकड़ी की बनी वस्तुएँ खास पहचान रखती हैं।

कुफरी की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त समय दिसंबर से फरवरी के बीच होता है, जब यहाँ भारी बर्फबारी होती है और सर्दियों के खेलों का भरपूर आनंद लिया जा सकता है। वहीं, अप्रैल से जून के बीच गर्मियों में यहाँ की ठंडी जलवायु और हरी-भरी घाटियाँ पर्यटकों को एक अलग ही आनंद देती हैं। इस समय यहाँ का मौसम हल्का ठंडा और बहुत ही सुहावना होता है।

कुफरी पहुँचने के लिए हवाई मार्ग से निकटतम हवाई अड्डा शिमला का जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट है, जो लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर है। रेल मार्ग से आने के लिए कालका रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी है, जहाँ से शिमला तक टॉय ट्रेन का सफर और फिर सड़क मार्ग से कुफरी पहुँचा जा सकता है। सड़क मार्ग से शिमला से टैक्सी, बस या निजी वाहन के जरिए भी आसानी से पहुँचा जा सकता है।

कुल मिलाकर, कुफरी केवल हिमाचल प्रदेश का नहीं, बल्कि पूरे भारत का एक प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थल है। इसकी शांत वादियाँ, बर्फ से ढके पहाड़, और रोमांचकारी गतिविधियाँ इसे हर प्रकार के यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। चाहे आप रोमांच के प्रेमी हों या प्रकृति के, या परिवार के साथ एक शांत यात्रा की योजना बना रहे हों - कुफरी में हर किसी के लिए कुछ खास है।

सुविचार

सच्चाई परेशान हो सकती है, पराजित नहीं।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	02:16-04:18 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	चित्रा	06:33-09:39 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	02:58 PM
सूर्यास्त		7:08 PM	चंद्रास्त	02:26 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM –12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		निर्जला एकादशी	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		10:35PM–12:17PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गंगा दशहरा पर इस पवित्र संगम का रहस्य

गंगा मां आती हैं नर्मदा के बरमान घाट में स्नान करने

यूनिक समय, मथुरा। भारत में नदियों को केवल जलधारा नहीं, बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है। गंगा को मोक्षदायिनी कहा गया है तो नर्मदा को जीवनदायिनी। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि गंगा नदी भी किसी अन्य नदी में स्नान करने जाती है? मध्यप्रदेश के सागर और नरसिंहपुर जिलों की सीमा पर स्थित बरमान घाट में ऐसी ही एक अद्भुत और श्रद्धा से ओतप्रोत मान्यता प्रचलित है, जो हर साल गंगा सप्तमी से लेकर गंगा दशहरा तक जीवंत हो उठती है।

बरमान घाट: नर्मदा नदी के किनारे बसा यह पवित्र स्थल केवल एक धार्मिक घाट नहीं, बल्कि पौराणिक महत्त्व का केंद्र है। इसे ब्रह्मांड घाट भी कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने यहां घोर तप किया था। धार्मिक ग्रंथों में इसका वर्णन तपोभूमि के रूप में किया गया है। यहां नर्मदा का शांत बहाव, चारों ओर फैली हरियाली और अध्यात्मिक वातावरण इस स्थान को विशिष्ट बनाते हैं।

बरमान घाट के विद्वान पंडित बृजेश मिश्रा के अनुसार, गंगा सप्तमी से लेकर गंगा दशहरा तक मां गंगा अदृश्य रूप में नर्मदा में स्नान करने आती हैं। यह लोकविश्वास केवल कथा नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था का हिस्सा है। मान्यता है कि गंगा में करोड़ों श्रद्धालु स्नान करके अपने पापों को धोते हैं, और जब गंगा उन पापों के भार से भारी हो जाती हैं, तब वह उन्हें नर्मदा में स्नान कर उतारती हैं। गंगा दशहरा का पर्व गंगा के धरती पर अवतरण का प्रतीक है। लेकिन बरमान घाट में यह दिन और भी खास बन जाता है क्योंकि इस दिन गंगा और नर्मदा का अद्भुत भावनात्मक संगम माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां आकर नर्मदा में स्नान करते हैं। लोक मान्यता है कि इस दिन यहां स्नान करने से गंगा और नर्मदा दोनों का पुण्य एक साथ मिलता है, जो जीवन में पापों के क्षय और मोक्ष की प्राप्ति में सहायक होता है। बरमान घाट पर हर साल गंगा दशहरा के मौके पर मेला जैसा माहौल होता है। भक्त सुबह–सुबह स्नान कर दान–पुण्य करते हैं, कथा–प्रवचन होते हैं और भजन–कीर्तन की गूंज वातावरण को भक्तिमय बना देती है। इस दौरान स्थानीय लोग और दूर–दराज से आए श्रद्धालु एकजुट होकर इस परंपरा को जीवंत रखते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भारत की उन आध्यात्मिक परंपराओं का प्रमाण है जहां प्रकृति, आस्था और लोककथाएं मिलकर गहराई से लोगों के जीवन में उतरती हैं। हालांकि नर्मदा और गंगा भौगोलिक रूप से कभी नहीं मिलतीं, लेकिन हर साल बरमान घाट पर एक भावनात्मक और आध्यात्मिक संगम होता है, जो भारतीय संस्कृति की उस शक्ति को दर्शाता है जहां भावनाएं भौतिक सीमाओं से ऊपर उठ जाती हैं। यही इस घाट की सबसे बड़ी विशेषता है - श्रद्धा का वह संगम, जो भक्त और देवी के बीच के रिश्ते को अमर करता है।

गंगा महारानी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, वृन्दावन। गंगा दशहरा पर अठखंभा स्थित प्राचीन श्री गंगा मंदिर पर फूल बंगला सजाया। सायं 5 बजे से प्रारम्भ दर्शन देर रात्रि 9.30 बजे तक अनवरत रूप तक चलते रहे। प्रातः माँ गंगा का दूध, दही, शहद, बूरा एवं गंगा जल से माँ का अभिषेक एवं गंगा सहस्त्रनाम का पाठ भी सम्पन्न हुआ। सेवायत विनय गोस्वामी ने सभी श्रद्धालुओं का आभार जताया।

वृंदावन में संत रितेश्वर महाराज से आशीर्वाद लेते बृज भूषण सिंह। वह पिछले दिनों एक मुकदमे में बरी हुए थे।

अधिवक्ताओं ने मीठे शर्बत की लगाई प्याऊ

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर कचहरी पर अधिवक्ताओं ने मीठे शरबत की प्याऊ लगा कर सड़क से गुजरने वाले राहगीरों और मुकदमे की तारीख पर आने वाले लोगों को ठंडा शर्बत पिलाया। इस मौके पर अधिवक्ता अरविंद कुमार, विवेक पाराशर, अमित सिंह जादौन, ठाकुर मदन सिंह चौहान, रास बिहारी वर्मा, वरुण शर्मा, नीरज राठौर, धीरज राठी, शाहरुख खान तथा उमेश चौधरी आदि मौजूद थे।

गांव बहराबली में किया पौधारोपण

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। विश्व पर्यावरण दिवस पर छाता क्षेत्र के गांव बहराली में वृंदावन एग्रो प्रा. लि. के सौजन्य से गांव के विभिन्न स्थानों पर पांच दर्जन पौधे रोपे गए। राजकुमार घावरी ने बताया कि आज के समय में आए दिन पेड़ पौधों की संख्या कम होती जा रही है, इससे वातावरण की अशुद्धि और लोगों में बीमारियां पैदा हो रही है। पयावरण को शुद्ध करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पेड़ पौधे लगाने की जरूरत है। ग्राम प्रधान धर्मवीर ने कहा कि सभी लोग सकल्प लें कि पर्यावरण दिवस पर एक–एक पौधारोपण अवश्य करें। इस दौरान संदीप शर्मा, लक्ष्मण सिंह चौधरी, क्षतिज, संजीव शर्मा, रजनीश कुमार, बच्चू सिंह, शालू, प्रीति एवं यामिनी आदि मौजूद थे।

निर्जला एकादशी: अगर पानी पीना पड़े तो अपनाएं ये विधि, व्रत नहीं टूटेगा

यूनिक समय, मथुरा। इस वर्ष निर्जला एकादशी का पावन व्रत 6 जून, शुक्रवार को रखा जाएगा। यह व्रत सभी 24 एकादशियों में सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। निर्जला एकादशी में सूर्योदय से अगले दिन द्वादशी तक बिना जल ग्रहण किए उपवास किया जाता है। हालांकि यदि व्रत के दौरान शरीर अत्यंत कमजोर हो जाए और जल पीना आवश्यक हो, तो शास्त्रों में बताई गई विशेष विधि से जल पीया जा सकता है।

महर्षि पाराशर ज्योतिष संस्थान ट्रस्ट के ज्योतिषाचार्य पं. राकेश पाण्डेय के अनुसार, जल पीने से पहले 12 बार "ॐ नमो नारायणाय" मंत्र का जाप करें। फिर एक थाली में जल भरें, घुटनों और भुजाओं को ज़मीन से लगाकर पशु के समान जल ग्रहण करें। ऐसा करने से व्रत नहीं टूटता और व्रती को पूर्ण फल प्राप्त होता है।

निर्जला एकादशी पर जलदान का भी विशेष महत्व है। एक कलश में जल भरकर उस पर चीनी, कुछ पैसे रखें और सफेद कपड़े से ढक कर ब्राह्मण को दान करें। इसके अतिरिक्त अन्न, वस्त्र, छतरी, फल आदि का दान भी करें।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भीमसेन ने यही व्रत किया था और उन्हें दस हजार हाथियों का बल प्राप्त हुआ। व्रत का पारण 7 जून को सुबह 10 बजे तक करना शुभ रहेगा।

कनेर का चमत्कारी फूल: मां लक्ष्मी की कृपा पाने और नजर दोष दूर करने के अचूक उपाय

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय सनातन परंपरा में हर फूल का एक विशेष महत्व होता है, लेकिन कुछ फूलों को देवी–देवताओं की विशेष कृपा का प्रतीक माना जाता है। ऐसा ही एक चमत्कारी फूल है – कनेर का फूल, जिसे भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी और श्री हनुमान जी को अत्यंत प्रिय माना गया है। धार्मिक ग्रंथों और ज्योतिषीय उपायों में कनेर के फूल का उपयोग कई चमत्कारी लाभों के लिए बताया गया है।

धन प्राप्ति के लिए उपाय: शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी को पीले कनेर के फूल चढ़ाकर 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। इससे धन, वैभव और समृद्धि में वृद्धि होती है। यह उपाय विशेष रूप से उन लोगों के लिए फलदायी होता है जो आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं।

शत्रु बाधा और भय से मुक्तिः मंगलवार या शनिवार को हनुमान जी की पूजा में लाल कनेर के 5 फूल चढ़ाएं और 'ॐ हं हनुमते नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। यह उपाय शत्रु दोष, भय, नजर दोष और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करता है।

तिजोरी में रखें सुखाए फूल: शुक्रवार को पूजा के बाद 3 पीले कनेर के फूल सुखाकर अपनी तिजोरी या पैसे रखने की जगह पर रखें। इससे व्यापार में लाभ, आय में बढ़ोतरी और खर्चों पर नियंत्रण होता है।

नजर दोष के लिए सरल टोटका: यदि किसी को नजर लग गई हो तो एक कनेर का फूल लेकर 7 बार उसके ऊपर से घुमाएं और फिर उसे जल में बहा दें या अग्नि में अर्पित करें। यह उपाय बच्चों व बड़ों दोनों के लिए असरकारी है।

नकारात्मक ऊर्जा से मुक्तिः किसी स्थान पर डर या नकारात्मकता महसूस हो तो वहां लाल कनेर के फूल के साथ हनुमान मंत्र का जाप करें। हनुमान जी की कृपा से वातावरण शुद्ध होता है और भय समाप्त होता है।

शत्रु को शांत करने का उपाय: मंगलवार की रात हनुमान जी को लाल कनेर चढ़ाकर 'ॐ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट्' मंत्र का 11 बार जाप करें। यह उपाय शत्रु बाधा से राहत देता है।

कनेर का फूल केवल एक पौधा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और तांत्रिक दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है। सही विधि से इसके उपाय करने पर ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की कई बाधाएं स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं।

सम्पादकीय

प्लास्टिक प्रदूषण: पर्यावरण के संकट का गहराता साया

प्रकृति की आराधना और संरक्षण भारतीय संस्कृति की मूल भावना रही है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपने जीवन में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाएं। विश्व पर्यावरण दिवस, जो हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है, पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण को मात दें" है, जो आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है।

आज प्लास्टिक प्रदूषण पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर साल लगभग 500 अरब प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है। यह अपशिष्ट न केवल धरती को बल्कि जल, वायु और सम्पूर्ण जैवविविधता को प्रभावित कर रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि एक बार बना प्लास्टिक सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और इसे समाप्त होने में 450 से 1000 साल तक लगते हैं। भारत में प्रतिदिन लगभग 15,000 टन प्लास्टिक कचरा निकलता है और यह मात्रा दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। प्लास्टिक के कण माइक्रोप्लास्टिक हमारी मिट्टी को बंजर बना रहे हैं, जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर रहे हैं और समुद्री जीवन को संकट में डाल रहे हैं। हर साल 1 करोड़ 10 लाख टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचता है, जिससे न केवल समुद्र में कचरा बढ़ता है बल्कि यह मछलियों के शरीर में जाकर खाद्य श्रृंखला का हिस्सा भी बन जाता है, जो अंततः मानव शरीर में पहुंचकर स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध होता है।

पवन गौतम
संपादक

सरकारों द्वारा प्लास्टिक पर रोक लगाने के प्रयास समय–समय पर किए गए हैं, लेकिन इनका असर ज़मीन पर बहुत सीमित रूप में दिखाई देता है। जब तक सरकार, उद्योग और आम नागरिक एकजुट होकर कार्य नहीं करेंगे, तब तक इस संकट से छुटकारा पाना कठिन होगा। इसके लिए हमें व्यक्तिगत स्तर पर भी पहल करनी होगी, जैसे कि सिंगल यूज प्लास्टिक, बोतलबंद पानी और प्लास्टिक पैकेजिंग का त्याग करना होगा। आवश्यक हो तो केवल रिसाइकिल होने वाले प्लास्टिक का ही उपयोग करें और उसका सही ढंग से निपटान सुनिश्चित करें। साथ ही हमें बच्चों और समाज को पर्यावरण की शिक्षा देनी होगी, जिससे भविष्य की पीढ़ियाँ अधिक जागरूक बन सकें। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता बंगारी मथाई ने कहा था - "सभ्य होना है तो जंगलों के साथी बनो, प्रकृति से जुड़ो।" हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पृथ्वी केवल मनुष्य की नहीं, बल्कि सभी जीव–जंतुओं, वृक्षों और नदियों की भी आश्रय स्थली है। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका गंभीर दुष्परिणाम भुगतना पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि हम मिलकर इस प्लास्टिक प्रलय को रोकें और प्रकृति की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें। यही सच्ची पर्यावरण आराधना होगी।

नजरिया

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव–जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो–तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्त्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान

में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह–तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव–जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शोध–सर्वेक्षण–अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका–जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिक मुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए।

प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने–पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

विचार विण्डो

सेना का अपमान या राजनीतिक रणनीति, राहुल गांधी के बयान पर मंथन जरूरी

नीरज दुबे

हाल ही में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान–जिसमें उन्होंने भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिकी दबाव में 'आत्मसमर्पण' का आरोप लगाया–ने पूरे देश में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत की सैन्य ताकत और 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को लेकर देशवासियों में गर्व की भावना थी और देशभर में सेना के पराक्रम को लेकर जय हिंद सभाएं आयोजित की जा रही थीं। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर, जहां देश की सेना ने अपने अदम्य साहस का परिचय दिया है, एक राष्ट्रीय नेता द्वारा इस तरह का बयान क्यों दिया गया?

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन कॉल पर भारत सरकार ने झुकाव दिखाया और यह एक तरह का 'आत्मसमर्पण' था। यह बयान सुनने में जितना राजनीतिक लगता है, उतना ही यह देश की सुरक्षा व्यवस्था, सैन्य बलों और उनकी शौर्यगाथा पर सवाल खड़ा करता है।

यहां एक विरोधाभास भी स्पष्ट रूप से सामने आता है–कांग्रेस पार्टी एक ओर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मना रही है और भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम की सराहना कर रही है, वहीं दूसरी ओर पार्टी के शीर्ष नेता उसके परिणामों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। क्या यह कांग्रेस के अंदर की आपसी रणनीतिक असहमति का संकेत है या फिर जानबूझकर एक राजनीतिक चौंकाने वाली रणनीति?

एक और अहम पहलू यह है कि सेना पर सीधे सवाल उठाने से उसका मनोबल प्रभावित होता है।

लोकतंत्र में सरकार की आलोचना की पूरी आज़ादी है, लेकिन सेना एक ऐसी संस्था है जिसे राजनीतिक खींचतान से ऊपर रखना चाहिए। भारत की सुरक्षा में लगे जवान किसी राजनीतिक पार्टी के नहीं बल्कि देश के प्रहरी होते हैं, और उन पर सवाल उठाकर परोक्ष रूप से दुश्मनों को फायदा पहुंचाया जाता है।

इस विषय में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के बयान विशेष ध्यान देने योग्य हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई की सुबह कई हमले किए, लेकिन भारत ने केवल आठ घंटे में ही स्थिति पलट दी और पाकिस्तान को संघर्षविराम की गुहार करनी

पड़ी। जनरल चौहान ने यह भी कहा कि युद्ध में नुकसान होता है, परंतु सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है परिणाम। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पेशेवर सेनाएं नुकसान से विचलित नहीं होतीं, वे केवल मिशन की सफलता पर ध्यान देती हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के प्रमाण दुनिया के सामने पहले दिन से ही मौजूद हैं। वीडियो फुटेज, सैटेलाइट इमेजरी और पाकिस्तान की मीडिया में स्वीकारोक्ति इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया।

पाकिस्तानी मीडिया में छपे दस्तावेजों के मुताबिक भारत ने खैबर–पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब प्रांत के कई सैन्य और आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

इससे भी बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय क्यों आया जब भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेशों में भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति को मजबूती से रख रहे थे? क्या यह विदेशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और रणनीतिक सफलता से उपजा एक राजनीतिक असंतोष था? अगर ऐसा है तो यह देश के हितों से बड़ा राजनीतिक स्वार्थ दर्शाता है। इतिहास गवाह है कि पहले भी विपक्षी नेताओं ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों पर सवाल उठाए हैं। उस समय भी यह कहा गया था कि सरकार सबूत दिखाए। अब जबकि सबूत खुले तौर पर मौजूद हैं, तब भी 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर संदेह करना देश के सशस्त्र बलों पर ही सवाल उठाने जैसा है।

यहां यह याद रखना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब कांग्रेस नेता अजय राय ने राफेल विमान के मॉडल पर नींबू–मिर्च टांग कर उसका मजाक उड़ाया था, तब भी पाकिस्तानी मीडिया ने इसे हाथोंहाथ लिया था।

अब राहुल गांधी का 'आत्मसमर्पण' वाला बयान भी पाकिस्तानी मीडिया में चर्चा का विषय बन चुका है। वहां की मीडिया ने इसे भारत की कमजोरी के रूप में प्रचारित करना शुरू कर दिया है। यह बात गंभीर चिंता का विषय है।

राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर एकजुटता और जिम्मेदारी दिखाना हर नेता का कर्तव्य होना चाहिए। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि उनकी हर बात सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान जैसे देशों में भी सुनी जाती है और उसके राजनीतिक व रणनीतिक मायने निकाले जाते हैं।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अपने हालिया संबोधन में यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, यह सिर्फ एक अस्थायी विराम है। भारत को सतर्क रहना होगा क्योंकि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में किसी भी प्रकार की शिथिलता खतरनाक हो सकती है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे जरूरी बात यह है कि हमारे नेताओं को राजनीतिक कटाक्ष और आरोप–प्रत्यारोप के दौरान यह नहीं भूलना चाहिए कि उनका एक–एक बयान सीमाओं पर तैनात हमारे जवानों के मनोबल पर प्रभाव डाल सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सरकार की आलोचना तो होनी चाहिए, परन्तु राष्ट्रीय हितों और सेना के सम्मान से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

रोहित शर्मा का ये रिकॉर्ड टूटना मुश्किल,बना रहेगा नंबर वन पर कब्जा

यूनिक समय, नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल में ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है, जो फिलहाल तो टूटता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

आईपीएल तो खत्म हुआ, अब बात इंटरनेशनल क्रिकेट की करते हैं। टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड है, जो अब टूटते हुए नजर नहीं आ रहा है। रोहित शर्मा ने करीब एक साल पहले ही टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले लिया था, लेकिन इसके बाद भी उन्हें कोई भी बल्लेबाज पछाड़ नहीं पाया है। जो एक खिलाड़ी उनके काफी करीब है, उसे टीम में ही जगह नहीं मिल पा रही है। ऐसे में ये टूटेगा कैसे, ये बड़ा सवाल बन गया है। टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा ही हैं। उन्होंने 159 मुकाबले खेलकर 4231 रन बनाए हैं। उनके नाम इस फॉर्मेट में 5 शतक और 32 अर्धशतक हैं। टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा 32.05 के औसत और 140.89 के स्ट्राइक से रन बनाते रहे हैं। हालांकि अब वे यहां नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के बाबर आजम हैं। बाबर आजम ने अब तक 128 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 4223 रन बनाए हैं। यानी पहले नंबर पर पहुंचने

के लिए बाबर आजम को केवल 9 रन और चाहिए। वैसे तो अभी तक बाबर आजम पहले नंबर पर पहुंच गए होते, लेकिन उन्हें अपनी टीम में ही जगह नहीं मिल पा रही है। बाबर आजम को लेकर जैसा कि हमने पहले बताया कि उन्होंने 128 मैच खेलकर 4223 रन बनाए हैं, यहां उनके नाम तीन शतक और 36 अर्धशतक हैं। उनका औसत 39.83 का है और वे 129.22 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। बाबर आजम ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच दिसंबर 2024 में खेला था।

इसके बाद पाकिस्तानी टीम तो कई मैच खेल चुकी है, लेकिन बाबर आजम को स्क्वॉड में ही शामिल नहीं किया गया जा रहा है।

अब पीसीबी की ओर से टी20 की कप्तान सलमान अली आगा को दी जा चुकी है और उनकी कप्तानी में नई टीम बनाने की कोशिश हो रही है। अगले साल यानी 2026 में टी20 विश्व कप भी होना है, उसके लिए पाकिस्तान की तैयारी जारी है। ऐसे में इस बात की संभावना कम ही है कि बाबर आजम की वापसी अब फिर से टी20 इंटरनेशनल में हो पाएगी।

खास बात ये भी है कि टी20 इंटरनेशनल में चार हजार से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज केवल तीन ही हैं। रोहित शर्मा और बाबर आजम के अलावा तीसरे बल्लेबाज विराट कोहली हैं। उन्होंने 125 मैच खेलकर 4188 रन बनाए हैं। लेकिन रोहित के अलावा कोहली भी अब इस फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं। ऐसे में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ना फिलहाल तो करीब करीब असंभव दिख रहा है। बाद में इसमें कुछ बदलाव हो तो देखा जाएगा।

भारत और इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज से पहले एक और अग्निपरीक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून से खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले भारतीय खिलाड़ियों को एक और चुनौती से गुजरना होगा। सीरीज की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए भारत ए टीम 6 जून से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा अभ्यास मैच खेलेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस ठीक आधे घंटे पहले 3 बजे होगा।

पहले अनऑफिशियल चार दिवसीय मैच में कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। करुण नायर ने दोहरा शतक लगाकर मुख्य टीम में अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि सरफराज खान, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी ने भी शानदार पारियां खेलीं। गेंदबाजों में मुकेश कुमार और शार्दुल ठाकुर ने विकेट झटके। वहीं, दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और अभिमन्यु ईश्वरन ने आक्रामक अंदाज में रन बनाए, जिससे टीम का मनोबल बढ़ा। दिलचस्प बात यह है कि केएल राहुल भी इस मुकाबले में खेल सकते हैं। भले ही उन्हें स्क्वॉड में शामिल नहीं

6 जून को भारत-ए भिड़ेगा इंग्लैंड लायंस से

किया गया है, लेकिन उन्होंने खुद इस मैच में खेलने की इच्छा जताई है। अगर वे इस अभ्यास मैच में उतरते हैं, तो यह मुख्य सीरीज से पहले उनके लिए जरूरी प्रैक्टिस होगी।

इस अभ्यास मैच के बाद 16 जून को भारत और भारत ए टीम के बीच एक और मैच होगा, जिसमें सभी खिलाड़ी भारतीय ही होंगे। इसके बाद 20 जून से बहुप्रतीक्षित भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की आधिकारिक शुरुआत होगी।

66 की उम्र में सठिया गई हैं नीना गुप्ता

बर्थडे लुक ने मचाया हंगामा, खूब किया ट्रोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की वर्सेटाइल एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने 66 साल की उम्र में भी एक ऐसा लुक अपनाया, जिसने सोशल मीडिया पर भूचाल ला दिया। फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' की स्टारकास्ट के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए नीना ने व्हाइट डीप नेक गाउन और ट्रेंडी बिस्किट ब्रा पहनकर सभी का ध्यान खींचा। उनका ये आउटफिट बेटी मसाबा गुप्ता के फैशन ब्रांड से डिज़ाइन किया गया था।

हालांकि जहां कुछ लोगों ने उनके इस बोल्ड और ब्यूटीफुल अंदाज की तारीफ की, वहीं सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने जमकर खरी-खोटी सुनाई। किसी ने लिखा, "66 की उम्र में सठिया गई हैं," तो कोई बोला, "उम्र का लिहाज तो करिए मैडम।" कुछ ने तो उनके संस्कारों तक पर सवाल उठा दिए।

लेकिन ट्रोलिंग के बीच नीना को सपोर्ट करने वाले भी पीछे नहीं रहे। एक यूजर ने लिखा, "हर किसी को अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने का हक है। अगर वो खुश हैं तो किसी को क्या दिक्कत?"

फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नीना गुप्ता और अनुपम खेर की उम्रदराज़ लव स्टोरी को दिखाया गया है। नीना अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों को लेकर हमेशा चर्चा में रही हैं और ये बर्थडे लुक भी इस लिस्ट में नया चैप्टर जोड़ गया है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम हादसे पर क्रिकेट जगत में शोक की लहर

यूनिक समय, बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पहली आईपीएल खिताबी जीत का जश्न एक दर्दनाक हादसे में बदल गया, जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। इस भीषण दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए।

क्रिकेट जगत की कई दिग्गज हस्तियों ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा, "बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम पर जो भी हुआ, वह भयावह है।

हर प्रभावित परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। सभी को सुकून और शक्ति मिले।" पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी इस त्रासदी को दिल दहला देने वाला बताया। उन्होंने कहा, "जश्न का पल अकल्पनीय त्रासदी में बदल गया। हादसे से प्रभावित हर एक के प्रति मेरी संवेदना। दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और परिवार को शक्ति मिले।"

सचिन-युवराज ने जताई संवेदना

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने भी शोक व्यक्त किया। कुंबले, जो बेंगलुरु के ही निवासी हैं, ने लिखा, "क्रिकेट के लिए दुखद दिन। जश्न के दौरान अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।"इस हादसे के पीछे सुरक्षा इंतज़ामों की कमी और कार्यक्रम की जल्दीबाज़ी में की गई योजना को जिम्मेदार बताया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

फिल्म रिव्यू

उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ'

यूनिक समय, नई दिल्ली। कमल हासन और मणिरत्नम की जोड़ी ने साल 1987 में 'नायकन' जैसी यादगार फिल्म दी थी, और अब करीब चार दशक बाद दोनों 'ठग लाइफ' के ज़रिए एक बार फिर साथ आए हैं। लंबे समय से इंतज़ार के बाद यह फिल्म 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई। हालांकि तमिल और कन्नड़ भाषा को लेकर विवाद के चलते यह फिल्म कर्नाटक में रिलीज़ नहीं हो सकी, फिर भी बाकी भारत में इसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज़ किया गया।

'ठग लाइफ' एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें कमल हासन रंगाराया शक्तिवेल नायकर की भूमिका में हैं। फिल्म की शुरुआत एक गोलीबारी की घटना से होती है, जहां एक आम आदमी की मौत हो जाती है और उसके दो बच्चे अमरन (सिलंबरासन) और चंद्रा (ऐश्वर्या लक्ष्मी) एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं। शक्तिवेल और उसका भाई मणिकम (नासर), अमरन को गोद लेते हैं और वह शक्तिवेल का उत्तराधिकारी बन जाता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, बदले, साजिशों और सत्ता संघर्ष की परतें खुलती जाती हैं। शक्तिवेल जेल चला जाता है और अमरन उसका स्थान ले लेता है। राजनीति में दखल, गिरोहों के बीच समझौते और सत्ता की लालसा झ्र इन सबके बीच फिल्म कई मोड़ों से गुजरती है।कमल हासन का प्रदर्शन हमेशा की तरह प्रभावशाली है, लेकिन इस बार सिलंबरासन ने भी कहानी को अपने कंधों पर मजबूती से संभाला है। त्रिशा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी और अन्य कलाकारों ने भी अपने किरदारों के साथ न्याय किया है।

एआर रहमान का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म की आत्मा हैं, जो कई दृश्यों को प्रभावशाली बनाते हैं। मणिरत्नम जैसे दिग्गज निर्देशक से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें रहती हैं, लेकिन इस बार उनका मैजिक पूरी तरह काम नहीं कर पाया। फिल्म का पहला हाफ धीमा है, जिससे दर्शक ऊब सकते हैं। हालांकि सेकंड हाफ में फिल्म रफ्तार पकड़ती है और क्लाइमैक्स तक आते-आते उत्सुकता बनाए रखती है। कुल मिलाकर, 'ठग लाइफ' एक शानदार कास्टिंग और बेहतरीन तकनीकी पक्ष वाली फिल्म है, लेकिन इसकी स्क्रिप्ट और पेशकश में नयापन नहीं है। कमल हासन की वापसी तो ज़ोरदार है, लेकिन फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरती। इ

28 साल बाद भी बरकरार है 'कोई लड़की है' गाने का जादू

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'दिल तो पागल है' का गाना 'कोई लड़की है' आज भी लोगों के दिलों पर राज करता है। बारिश में बच्चों के साथ शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित का नाचना आज भी यादगार है। इस गाने की शूटिंग असली बारिश में हुई थी और यह दर्शकों को खूब पसंद आया। यश चोपड़ा की यह फिल्म सुपरहिट रही और सिर्फ 9 करोड़ की लागत से 71 करोड़ की कमाई की। 28 साल बाद भी यह गाना उतना ही ताज़ा लगता है।

ठेकेदार ने एआई से फोटो में दिखाई पक्की सड़क, अभियंता को दे दिया धोखा!

यूनिक समय, नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में जहां इसके माध्यम से लोग बड़ी-बड़ी समस्याएं हल कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसका उपयोग चालाकी से 'बिना कार्य किए कार्य दिखाने' के लिए भी कर रहे हैं। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक ठेकेदार ने चैटजीपीटी और चित्र निर्माण उपकरण की सहायता से बिना एक ईंट लगाए सड़क बना दी – वह भी केवल चित्र में!

दरअसल, एक गांव में कच्ची सड़क को पक्की करने का ठेका एक स्थानीय ठेकेदार को मिला था। लेकिन उसने कार्य प्रारंभ नहीं किया। जब संबंधित सरकारी अभियंता ने संदेश भेजकर कार्य की स्थिति पूछी, तो ठेकेदार ने तकनीक का सहारा लिया। उसने सड़क की असली तस्वीर खींची और उसे कृत्रिम चित्र निर्माण उपकरण में अपलोड किया। उपकरण से कहा गया – "इस सड़क को पक्की सीसी सड़क में बदल दो।" कुछ ही क्षणों में उपकरण ने कच्ची सड़क की जगह चमचमाती पक्की सड़क दिखा दी। ठेकेदार ने वही बनावटी चित्र अभियंता को भेज दिया। अभियंता चित्र देखकर प्रसन्न हो गया और कार्य की सराहना कर दी। उसने तुरंत कहा – "कार्य उत्तम है, भुगतान हेतु बिल भेज दो।"

यह दृश्य-संदेश (वीडियो) एक सामाजिक मंच पर @sndconstruction.india नाम के पृष्ठ से डाला गया है, जो तेज़ी से जनप्रिय हो रहा है। अब तक इसे 47 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है और 45 हजार से अधिक लोगों ने पसंद किया है। इस दृश्य-संदेश में सड़क की पहले और बाद की तस्वीर दिखाकर यह बताया गया है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से वास्तविकता को पलटकर प्रस्तुत किया जा सकता है। लोगों ने इस पर अनेक रोचक टिप्पणियां की हैं। एक उपयोगकर्ता ने लिखा – "नई सड़क को टूटा हुआ बना दो, फिर से ठेका मिलेगा।" वहीं दूसरे ने कटाक्ष करते हुए कहा – "10 करोड़ का ठेका स्वीकृत, अब निर्माण भी एआई ही करेगा।" किसी ने यह भी लिख दिया – "यह ठेकेदार तो चलचित्रों के ठगों से भी आगे निकल गया।"यह प्रसंग दर्शाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को लेकर अब सतर्कता अनिवार्य हो गई है। केवल चित्र देखकर निर्णय लेना अब जोखिमभरा हो सकता है। आने वाले समय में तकनीक के साथ-साथ निगरानी और जांच की प्रक्रिया भी बुद्धिमान बनानी होगी, अन्यथा "कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बना और बिगड़ा" का युग शुरू हो सकता है।

भव्य मंदिर में विराजे राजा राम, सीएम योगी ने किया अभिषेक

यूनिक समय, अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत रूप से की। भव्य मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों, शंखध्वनि और हवन की सुगंध से गुंजायमान हो उठा।

ब्रह्ममुहूर्त से शुरू हुए इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में आचार्यों, संतों और पंडितों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने सभी देव विग्रहों का अभिषेक किया और राम दरबार की मूर्ति से आवरण हटाकर दर्शन हेतु प्रस्तुत किया। राजा राम का दिव्य श्रृंगार किया गया, जिसमें भव्य आभूषणों का उपयोग हुआ। इस अवसर पर अयोध्या के 19 प्रमुख संत धर्माचार्य, ट्रस्ट, संघ और विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में भी दर्शन-पूजन किया।

कार्यक्रम की पूर्णता के बाद सीएम योगी ने प्रणाम कर सभी को शुभकामनाएं दीं और रवाना हो गए। राम मंदिर निर्माण समिति के अनुसार, मंदिर निर्माण का कार्य जल्द ही पूर्ण हो जाएगा।

मिनी ने दिखाई वफादारी की मिसाल

सांप से भिड़कर मालिक के बेटे की जान बचाई, खुद गंवाई जान

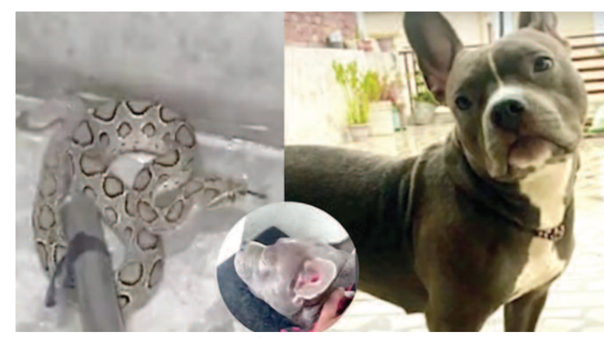

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के दौराला कस्बे में इंसान और जानवर की दोस्ती और वफादारी की एक अनोखी मिसाल सामने आई है। रामपुरी मोहल्ला निवासी कल्लू सिंह के घर में एक जहरीला रसल वाइपर सांप घुस आया। इसी दौरान उनका पालतू अमेरिकी बुल नस्ल का कुत्ता, मिनी (फीमेल), सांप को देखकर अलर्ट हो गई और तुरंत उस पर टूट पड़ी।

मिनी ने सांप को घर के अंदर बच्चे के पास जाने से पहले ही रोक लिया, लेकिन इस बहादुरी की कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। सांप ने मिनी को 26 बार डसा, लेकिन उसने हार नहीं मानी और तब तक लड़ती रही जब तक सांप को काबू में नहीं कर लिया। मिनी बेहोश होकर गिर गई और थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई।

कल्लू सिंह ने बताया कि रात को अचानक भौंकने की आवाज सुनकर वह बाहर निकले तो देखा कि मिनी जमीन पर पड़ी थी और पास ही रसल वाइपर फुंकार मार रहा था। सांप को बाद में पकड़कर काली नदी में छोड़ दिया गया। सांप मित्र अवी के अनुसार यह बेहद जहरीला रसल वाइपर सांप था, जिसकी एक ही डस से खून जम जाता है और जान जा सकती है। मिनी की बहादुरी ने एक मासूम की जान बचा ली, लेकिन वह खुद इस लड़ाई में शहीद हो गई। मिनी की वफादारी और बहादुरी की यह कहानी लोगों के दिलों को छू गई है।

सीएम योगी के जन्मदिन पर देशभर से शुभकामनाएं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 53वां जन्मदिन देशभर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर 'हिंदू हृदय सम्राट', 'लोकप्रिय मुख्यमंत्री' जैसे हैशटैग्स ट्रेंड करते रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, "उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उन्होंने यूपी के समग्र विकास के लिए अथक मेहनत की है, जिससे नागरिकों की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ईश्वर उन्हें लंबा और स्वस्थ जीवन दे।"मुख्यमंत्री योगी ने भी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए लिखा, "आपकी मंगलकामनाएं मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह प्रदेशवासियों की सेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ करती हैं। आपके यशस्वी मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के मार्ग पर अग्रसर है।"

पीएम मोदी बोले- यूपी के विकास में निभाई अहम भूमिका

गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी योगी आदित्यनाथ को शुभकामनाएं दीं। अमित शाह ने कहा कि डबल इंजन सरकार जन-जन तक विकास और कल्याण पहुंचा रही है। वहीं राजनाथ सिंह ने उन्हें परिश्रमी, विकासशील और जनकल्याण के प्रति समर्पित नेता बताया।

योगी आदित्यनाथ ने सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर रखना ही उनका जीवन लक्ष्य है।

मायावती का चंद्रशेखर पर तीखा हमला

कहा- दलितों को गुमराह कर रहे अवसरवादी

बैलेट पेपर से चुनाव की उठाई मांग

यूनिक समय, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रशेखर जैसे लोग कांशीराम और उनके नाम का इस्तेमाल कर दलित समाज को गुमराह कर रहे हैं। मायावती ने इसे एक साजिश बताया जिसका उद्देश्य बसपा को कमजोर करना है।

मायावती ने अपने बयान में कहा कि सत्ता और विपक्ष में मौजूद जातिवादी पार्टियां पर्दे के पीछे से दलितों और वंचित वर्गों के कुछ अवसरवादी लोगों को बढ़ावा देकर नई पार्टियां और संगठन बनवा रही हैं। ये लोग बसपा के मिशन का नाम लेकर वोटों का बंटवारा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर ये सच में कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ा रहे होते, तो विरोधियों के साथ मिलकर नई पार्टी नहीं बनाते, बल्कि बसपा से जुड़कर उसे मजबूत करते।

इसके साथ ही मायावती ने देश में ईवीएम से चुनाव कराए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईवीएम में धांधली हो रही है, जिससे बसपा उम्मीदवारों को जानबूझकर हराया जा रहा है। उन्होंने सभी चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की और कहा कि सत्ता परिवर्तन के बाद यह संभव हो सकता है।

मायावती ने यह भी कहा कि मौजूदा राजनीति में द्वेष, मुकदमेबाजी और असभ्य आचरण बढ़ रहा है, जिससे विकास और आत्मनिर्भरता पर असर पड़ रहा है। उन्होंने देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था और विदेशों में हो रहे निवेश को भी गंभीर चिंता का विषय बताया।

14.50 लाख की नोटों की माला पहनाकर लौट रहा था युवक

बदमाशों ने की हथियारों के बल पर लूट

यूनिक समय, अलवर। एक अनोखी शादी की रस्म के दौरान 14.50 लाख रुपये की नकली नोटों की माला दूल्हे को पहनाई गई, लेकिन इस खुशी का माहौल जल्द ही एक सनसनीखेज वारदात में बदल गया। तावडू निवासी साद खान नामक युवक इस माला को किराये पर पहनाने का काम करता है और उसी सिलसिले में वह 1 जून को भिवाड़ी चोपानकी थाना क्षेत्र के चूहड़पुर गांव पहुंचा था। शादी समारोह के बाद जब वह माला लेकर लौट रहा था, तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया।

रास्ते में एक क्रेटा कार ने साद खान की बाइक को टक्कर मारी और उसमें सवार हथियारबंद बदमाशों ने उसे घायल कर दिया। बदमाश माला से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इस माले की अनुमानित कीमत करीब 14.50 लाख रुपये बताई जा रही है। इस हमले में साद खान के सिर में गंभीर चोट आई है। यह माला हरियाणा से किराए पर मंगवाई गई थी, और इसके एवज में आयोजकों ने 8 से 10 हजार रुपये किराया अदा किया था। शादी में हिस्सा ले रहे किशनगढ़बास निवासी समसुदीन ने यह माला मंगवाई थी।

घटना की सूचना मिलते ही भिवाड़ी अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक अतुल साहू, डीएसपी कैलाश चौधरी और तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की। भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही इस लूट की घटना का खुलासा किया जाएगा। पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाहों के बयानों के आधार पर जांच कर रही है।

सार संक्षेप

शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता उच्च न्यायालय ने शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत दी, कहा- भागने की संभावना नहीं। पासपोर्ट जमा कराना होगा, देश छोड़ने की अनुमति नहीं।

असम में बाढ़ के हालात सुधर रहे

यूनिक समय, नई दिल्ली। जिला अधिकारी बोले- श्रीभूमि में पानी घटा, राहत शिविर बढ़ाए। अब तक 348 गांव प्रभावित, 3 लाख लोग प्रभावित हुए।

बेंगलुरु भगदड़ पर तरुण चुघ का कांग्रेस पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के महासचिव ने कांग्रेस सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया, घटना को बताया अक्षम्य अपराध।

विपक्ष लाशों पर राजनीति कर रहा : शिवकुमार

यूनिक समय, नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री ने कहा, घटना से सबक लें, लेकिन विपक्ष शवों पर राजनीति कर रहा। बच्चों का दुख देखा।

अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी ने की पूजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान से पूर्व मुख्यमंत्री योगी ने राम दरबार में पूजा-अर्चना की।

कांग्रेस जिम्मेदारी नहीं ले रही : शहजाद पूनावाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने भगदड़ पर कांग्रेस को घेरा, मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री से त्यागपत्र की मांग की।

देश में 4866 कोरोना के सक्रिय रोगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ी, दिल्ली में दो की मृत्यु, एक 5 वर्ष का बच्चा शामिल।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं में उत्साह

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरिद्वार और वाराणसी में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान और पूजा-अर्चना कर पर्व मनाया।

अधर्म पर चुप नही रहेंगे : तेजस्वी सूर्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। सांसद तेजस्वी सूर्या बोले-भारत युद्ध नहीं चाहता, पर हमला हुआ तो उत्तर देंगे।

अहमदाबाद में ट्रक की टक्कर से लगी आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेज़ रफ्तार ट्रक की टक्कर से आग लगी, एक चालक घायल, इलाज जारी।

ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के वीज़ा पर रोक लगाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हार्वर्ड में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के वीज़ा स्थगित किए।

दिल्ली की साकेत कोर्ट में दो कैदियों के बीच खूनी भिड़ंत

एक की मौत

यूनिक समय नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की साकेत कोर्ट से गुरुवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कोर्ट परिसर के लॉकअप में दो विचाराधीन कैदियों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक कैदी की मौत हो गई। मृतक कैदी की पहचान अमन के रूप में हुई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह तिहाड़ जेल नंबर 8 से कुछ कैदियों को सुनवाई के लिए साकेत कोर्ट लाया गया था। पेशी से पहले सभी कैदियों को कोर्ट के लॉकअप में रखा गया, जहां अमन और अन्य कैदी भी मौजूद थे। इसी दौरान अमन और दो अन्य कैदी- जितेंद्र और जयदेव-के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो जल्दी ही हिंसक रूप ले गई।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि जितेंद्र और जयदेव ने मिलकर अमन पर हमला किया। हमला इतना घातक था कि अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों हमलावरों को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि अमन और जितेंद्र के बीच पुरानी दुश्मनी थी। वर्ष 2024 में जेल के बाहर दोनों के बीच मारपीट की एक घटना हुई थी, जिसमें अमन ने कथित तौर पर जितेंद्र और उसके भाई पर चाकू से हमला किया था। उसी रंजिश का बदला आज कोर्ट के लॉकअप में लिया गया।

यह घटना जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े कर रही है। कोर्ट परिसर जैसी संवेदनशील जगह पर इस तरह की वारदात न सिर्फ सुरक्षा चूक का संकेत है, बल्कि विचाराधीन कैदियों की मनोस्थिति और आपसी रंजिशों को भी उजागर करती है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और कोर्ट परिसर में सुरक्षा को और मजबूत करने की बात कही गई है।

बेंगलुरु हादसे में मृतकों के परिवार को आरसीबी देगी 10-10 लाख रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु में 4 जून को हुए दर्दनाक हादसे के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइज़ी ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। टीम की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रशंसकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। आरसीबी ने कहा कि यह घटना पूरे आरसीबी परिवार के लिए अत्यंत दुखद और पीड़ादायक रही है।

हम इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। इसके अलावा, हादसे में घायल हुए लोगों की मदद के लिए 'आरसीबी केयर्स' नामक एक विशेष कोष भी स्थापित किया गया है। बयान में यह भी कहा गया कि आरसीबी के लिए उनके प्रशंसक हमेशा प्राथमिकता रहे हैं, और यह सहायता उनके प्रति सम्मान और एकजुटता का प्रतीक है।

पाकिस्तान में आतंकियों का कहर

11 कर्मचारियों का अपहरण, छह रेस्क्यू, पांच अब भी लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक बार फिर नापाक हरकत को अंजाम दिया है। इस बार निशाना बने एक निजी कंपनी के 11 कर्मचारी, जिन्हें इस्लामाबाद से क्वेटा जाते समय डेरा इस्माइल खान जिले में अगवा कर लिया गया। यह घटना दोमांडा ब्रिज के पास हुई, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का गढ़ माना जाता है। जैसे ही सूचना मिली, डेरा इस्माइल खान के जिला पुलिस अधीक्षक और आतंकवाद निरोधक विभाग के प्रमुख शकील खान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षाबलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह कर्मचारियों को बचा लिया, जबकि बाकी पांच अब भी आतंकियों की गिरफ्त में हैं। उन्हें छुड़ाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

अब तक इस अपहरण की जिम्मेदारी किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन इलाके की संवेदनशीलता और हालिया घटनाओं को देखते हुए तहरीक-ए-तालिबान पर शक गहराता जा रहा है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले ही पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने अफगान सीमा से लगे एक कबायली जिले में 14 आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर किया था। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। यह घटना न सिर्फ पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों की गंभीरता को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि अब वहां के नागरिक और निजी संस्थान भी सुरक्षित नहीं हैं। पाकिस्तान सरकार और सेना के लिए यह एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया पर्यावरणविद् मेधा पाटकर को

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के रायगड़ा रेलवे स्टेशन पर पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वे काशीपुर ब्लॉक के सुंगेर गांव में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक जनसभा में शामिल होने जा रही थीं। इस कार्यक्रम का आयोजन "मां माटी सुरक्षा मंच" द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य सीजिमाली खनन परियोजना के विरुद्ध शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना था। स्थानीय ग्रामीण खनन परियोजना के कारण पर्यावरण और अपने जीवन पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। पुलिस ने मेधा पाटकर और उनके साथ आए कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जिला प्रशासन के निर्देश पर की गई, जिसमें उन्हें सभा में शामिल न होने के लिए समझाने का प्रयास भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएम मोदी ने लगाया "सिंदूर का पौधा"

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर सिंदूर का पौधा लगाया। यह पौधा उन्हें हाल ही में कच्छ यात्रा के दौरान 1971 के युद्ध में साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने उपहार में दिया था। पीएम मोदी ने इसे महिलाओं की वीरता और प्रेरणा का प्रतीक बताया।

यह पहल हाल ही में भारत द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई "ऑपरेशन सिंदूर" से भी जोड़ी जा रही है। गौरतलब है कि सिंदूर हिंदू परंपरा में विवाहित महिलाओं के सुहाग का प्रतीक है, और अब यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उठाए गए साहसिक कदम का नाम भी बन चुका है।

बिक्सा ओरेलाना, जिसे लिपस्टिक ट्री भी कहते हैं, प्राकृतिक रंग देने वाला पौधा है। इसके बीजों से लाल/नारंगी रंग का प्राकृतिक डाई प्राप्त होता है, जिसका उपयोग पारंपरिक सिंदूर, सौंदर्य प्रसाधन और धार्मिक आयोजनों में होता है। यह त्वचा के लिए सुरक्षित और रासायनिक तत्वों से मुक्त होता है।

इस पौधे में अनेक औषधीय गुण हैं। यह एंटीपायरेटिक, एंटी-डायबिटिक और रक्तशोधक प्रभाव रखता है। साथ ही यह हृदय स्वास्थ्य और रक्त संचार को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर ग्लोबल वार्मिंग और प्लास्टिक प्रदूषण पर चेतावनी देते हुए "मिशन लाइफ" को जीवनशैली में अपनाने का आह्वान किया।

बेंगलुरु में भगदड़ में मर रहे थे लोग

मंत्री के बेटे को वीआईपी ट्रीटमेंट देने में जुटा रहा प्रशासन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भगदड़ में मर रहे थे लोग, मंत्री के बेटे को वीआईपी ट्रीटमेंट देने में जुटा रहा प्रशासन बेंगलुरु में आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह हादसा बुधवार शाम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुआ, जहां लाखों लोग आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए जमा थे।

मिली जानकारी के अनुसार, स्टेडियम की क्षमता लगभग 35,000 है, लेकिन बाहर 3-4 लाख लोग इकट्ठा हो गए थे, जिससे भारी दबाव बन गया। लोगों की बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ मच गई और कई लोग दबकर घायल हो गए। इस हादसे में प्रज्वल, सहाना, पूर्ण चंद्र, शिवलिंगा स्वामी जैसे कई निर्दोष लोग अपनी जान गंवा बैठे। हालांकि इस गंभीर घटना के बीच प्रशासन की प्राथमिकताएं सवालों के घेरे में आईं। जबकि आम जनता भगदड़ में मर रही थी, वहीं मंत्री जहीर अहमद के बेटे को विराट कोहली के साथ मंच पर बैठाने की तैयारियां जारी थीं। प्रशासन का यह रवैया सोशल मीडिया और लोगों के बीच गहरी नाराजगी का कारण बना।

आरसीबी टीम ने इस दुखद घटना पर अपनी संवेदना जताई और सभी मृतकों के परिवारों के प्रति दुख प्रकट किया। टीम ने मीडिया से इस घटना की जानकारी मिलते ही अपने कार्यक्रम में बदलाव किया और सभी फैंस से सुरक्षित रहने की अपील की।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने क्रिकेट एसोसिएशन को इस हादसे का जिम्मेदार ठहराया और कहा कि स्टेडियम के छोटे गेटों के कारण भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने और घायलों का मुफ्त इलाज कराने का भी ऐलान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुःख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ठाकरे परिवार में फिर दिखी एकजुटता की उम्मीद

अमित ठाकरे बोले- "दोनों भाई करें आपस में बात"

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव की ओर बढ़ती नजर आ रही है। पिछले कुछ समय से लगातार यह चर्चा तेज है कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) फिर से एक साथ आ सकते हैं। इस कड़ी में अब राज ठाकरे के बेटे और आदित्य ठाकरे के चचेरे भाई अमित ठाकरे का भी बयान सामने आया है, जिससे इन अटकलों को और बल मिला है।

अमित ठाकरे ने मीडिया से बातचीत में साफ कहा कि यदि गठबंधन की कोई संभावना बनानी है तो सबसे पहले राज और उद्धव ठाकरे को आपस में संवाद करना होगा।

उन्होंने कहा, "मुझे दोनों भाइयों के एक साथ आने से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मीडिया में बयानबाजी से कुछ नहीं होगा। दोनों को एक-दूसरे को फोन करना चाहिए और सीधे बातचीत करनी चाहिए।"

अमित ने आगे याद दिलाया कि 2014, 2017 और कोविड संकट के समय राज ठाकरे ने स्वयं उद्धव ठाकरे से बात की थी और कहा था कि हम विपदा के समय सरकार के साथ हैं। इससे साफ है कि पहले भी दोनों भाइयों के बीच संवाद हुआ है और अब भी इसकी जरूरत है।

इससे पहले मनसे नेता प्रकाश महाजन ने कहा था कि अगर दोनों दलों को साथ आना है तो पहल आदित्य ठाकरे को करनी चाहिए। अब अमित ठाकरे के बयान से यह संकेत मिल रहा है कि मनसे भी इस गठजोड़ को लेकर गंभीर है। अब देखना होगा कि क्या ठाकरे परिवार की दरार भरती है या राजनीति की यह चर्चा सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रह जाती है।

कांग्रेस ने गोस्वामियों को दिया समर्थन, कॉरिडोर मंजूर नहीं

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पर पत्रकारों से वार्ता करते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का यहां पहुंचने पर कांग्रेसियों ने स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ सीएफसी चौराहा से लेकर के बांके बिहारी मंदिर तक कॉरिडोर के विरोध में पैदल मार्च किया। मंदिर पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष ने कॉरिडोर निर्माण एवं न्यास (ट्रस्ट) गठन के विरोध का समर्थन किया। कहा कि हम गोस्वामी परिवार के साथ में है। कॉरिडोर को किसी कीमत पर नहीं बनने देंगे। उन्होंने सरकार से बातचीत के माध्यम से समस्या का हल निकालने पर जोर दिया। कहा कि हो सकता है कि कॉरिडोर आज समय की जरूरत हो, लेकिन इसके लिए ब्रजवासियों से वार्ता करिए, गोस्वामी जनों से वार्ता करिए।

वार्ता करने के बाद इस विषय पर आगे बढ़ना चाहिए। अपने मन से अधिग्रहण मत कीजिए। ऐसा न हो कि बनारस और अयोध्या के पैटर्न में इस कॉरिडोर में भी गुजरातियों को ठेका दे दिए जाए। बनारस में गुजराती ठेकेदारों ने मंदिरों को तोड़ा। सरस्वती मंदिर तोड़ दिया गया। वृंदावन में कोरिडोर यहाँ की जनता के हिसाब से तय होना चाहिए। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, पूर्व जिलाध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, गोपी गोस्वामी, महानगर अध्यक्ष के अलावा, चंद्र मोहन जायसवाल वीरेश सिंह सिसोदिया जीतू सिसोदिया, वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, रामबाबू शर्मा, राकेश चौधरी एवं राहुल शर्मा आदि उपस्थित थे।

सेवायत गोस्वामी की पत्नियों ने आत्मदाह की चेतावनी दी

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के कई सेवायतों की पत्नियों ने आज कॉरिडोर और न्यास गठन के विरोध में मंदिर के गेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने हठधर्मिता नहीं छोड़ी तो वह आत्मदाह करने से पीछे नहीं हटेंगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजयराय भी उनके सामने हाथ जोड़कर खड़े रहे।

राजीव एकेडमी की शैक्षिक व्यवस्थाओं में आया क्रांतिकारी बदलाव

वातानुकूलित कक्षा में अध्ययन करते राजीव एकेडमी के छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है। संस्थान ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाकर छात्रों को रोजगारोन्मुखी और उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान किया है। संस्थान की वातानुकूलित कक्षाएं छात्रों को एक आरामदायक और ध्यान केंद्रित करने वाला वातावरण प्रदान करती है, जिससे उनकी शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार हुआ है। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, अध्यक्ष, आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप, के अनुसार, "यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को रटने नहीं बल्कि सीखने की सीख दी जाती है।" निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह भदौरिया का कहना है कि राजीव एकेडमी में छात्र–छात्राओं को औद्योगिक क्षेत्र के अनुरूप तैयार करने की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हैं। संस्थान का कम्पनी टैली, अपग्रेड, इन्फोसिस फाउण्डेशन, बजाज फिनिसर, डुकैट आदि से भी अनुबंध है, जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं। संस्थान में नियमित सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को एडवांस एक्सल, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, मशीन लर्निंग, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, कम्युनिकेशन एंड स्किल एनहांसमेंट आदि की गूढ़तम जानकारी मिलती है। इसके अलावा, अतिथि विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी छात्रों को मिलता रहता है। राजीव एकेडमी के छात्रों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपनी मेधा का परचम फहराया है। तृप्ति कश्यप, सुरभि अग्रवाल ने बीसीए में और मनीषा गौतम ने एमएड में गोल्ड मेडल जीता है। संस्थान में कई शासकीय प्रोजेक्टों पर भी काम होता है, जिसका लाभ विद्यार्थियों को मिलता रहता है। प्लेसमेंट के मामले में भी संस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस साल यहां के छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उच्च पैकेज पर जॉब मिले हैं। एक छात्र का 25 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर चयन हुआ है, जो संस्थान की शिक्षा गुणवत्ता का प्रमाण है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में सांसद हेमामालिनी हुई शामिल

विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ करती सांसद हेमामालिनी के साथ अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान की ब्रांड एंबेसडर एवं सांसद हेमा मालिनी ने पंडित दीन दयाल धाम, फरह में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान" के विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार गौड़, दीन दयाल शोध संस्थान फरह के निदेशक सोनपाल, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. राजीव पाहवा, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. वाई के शर्मा एवं दुवासु के प्रसार निदेशक डॉ. अतुल सक्सेना ने सहभागिता की। साथ ही बड़ी संख्या में किसानों, बकरी पालकों, वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में नवाचार, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

डाइट पर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में पौधा देते अधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। डीएलएड प्रशिक्षुओं ने संस्थान के प्राचार्य राजेंद्र बाबू व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएलएड प्रशिक्षुओं आकांक्षा, मोनिका, सोनिया, मुस्कान, प्रियंका, अभिषेक तथा सत्यार्थ प्रकाश ने पर्यावरण के बारे में जानकारी दी। बीएसए ने कहा कि अगर आपको एसी में सोना है तो अपने जीवन काल में दस पौधे अनिवार्य लगाने चाहिए। प्रवक्ता दिगम्बर सिंह ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण पर आत्म मंथन करना है। इस मौके पर संतोष कुमार सिंह, हरेश सिंह, संतोष कुमार सिंह, नरेन्द्र सिंह, रचना बाला संध्या, अजयपाल, राजीव तथा हरेश सिंह उपस्थित थे।

संत प्रेमानंद की शरण में पहुंचे ब्रजेश पाठक

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने महाराज के सामने नमन किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

न्यायालय परिसर में पौधारोपण

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय आशीष जैन, अपर जिला जज रामकिशोर पाण्डेय, अजयपाल सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुरेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

न्यायालय परिसर में पौधारोपण करते हुए न्यायाधीश विकास कुमार।

भारत विकास परिषद का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

यूनिक समय, वृन्दावन। भारत विकास परिषद वृन्दावन शाखा के सत्र 2025-26 का अधिष्ठापन समारोह एक होटल के सभागार में हुआ। भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष उमेश चंद बंसल ने शपथ दिलाते हुए कहा कि सेवा के विभिन्न कार्यो द्वारा परिषद ने सम्पूर्ण विश्व में अपनी एक अलग पहचान प्रस्तुत की है। इस अवसर पर नए सदस्य रसिक गोस्वामी, सेतु शर्मा, साहिल अग्रवाल एवं सजल अग्रवाल को भी प्रांतीय अध्यक्ष ने शपथ दिलवाई। विशिष्ट अतिथि कीर्ति पत्रिका के प्रधान संपादक एवं कृष्ण कीर्ति फाउंडेशन के महामंत्री विशिष्ट अतिथि डॉ सतेंद्र जोशी ने नए जुड़े सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए परिषद के सिद्धांतों के अनुरूप समाज सेवा के लिए सदस्यों को प्रेरित किया। वृन्दावन शाखा के अध्यक्ष विनय गोस्वामी ने विगत वर्ष के कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए आगामी वर्ष की भावी योजनायों का भी संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

वर्तमान सत्र 2025–26 के सर्वसम्मति से दुबारा अध्यक्ष विनय गोस्वामी, सचिव दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष–विमल अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष संपर्क–विनीत अग्रवाल, उपाध्यक्ष सेवा–अंशुल बजाज, उपाध्यक्ष संस्कार–चिन्मय गोयल, उपाध्यक्ष पर्यावरण–पुरदेंदु गोस्वामी, महिला उपाध्यक्ष–राधा गोस्वामी को भी शपथ दिलवाई गयी। इस अवसर पर कपिल अग्रवाल, प्रसून अग्रवाल, प्रणव गोस्वामी, माधव अग्रवाल, विष्णु शर्मा, मान सिंह, आकाश शर्मा तथा दिलीप शर्मा आदि उपस्थित थे।

जवाहर बाग से आसमान में उड़ी पतंग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। स्थान जवाहर बाग। मौका गंगा दशहरा पर पतंग उत्सव का। आसमान में उड़ती सतरंगी पतंगों की ओर हर किसी की निगाह थी। कौन किसकी पतंग से पेच लड़ाएंगे। पेच लड़ते ही जवाहर बाग में मौजूद लोगों के बीच से आवाज निकलती सुनाई देती.. वह कट गई। वह कट गई। इस पतंग उत्सव का आयोजन शहर के प्रमुख उद्योगपति एवं जल पुरुष प्रमोद ग्रर्ग कसेरे ने किया था। सुबह से वह अपने दल बल के साथ जवाहर बाग पहुंच गए थे। सूर्य की किरण चढ़ने के साथ शहर के प्रमुख लोग भी आ गए। इसमें मार्निंग वाक एसोसिएशन के मैंबर भी शामिल थे। यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से भी नहीं रहा गया। वह भी पतंग उड़ाने के लिए पहुंच गए। हाथ में डोर थामे और पतंग को आसमान की ओर ले जाते चौ. लक्ष्मीनारायण को देखकर लोग हैरान रह गए।

प्रमोद गर्ग कसेरे को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान करते यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण के साथ शहर के प्रमुख व्यापारी।

ऐसी ही कई और प्रमुख हस्तियों ने भी पतंग उड़ाकर युवावस्था के दिनों को याद किया। करीब दो घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान सभी ने तालियों के बीच जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। मांट क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी ने समाजसेवी प्रमोद गर्ग के कार्यो की प्रशंसा की। इस मौके पर विधायक पूरन प्रकाश, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी, कुंवर नरेंद्र सिंह, डॉ अशोक अग्रवाल,

प्रमोद गर्ग कसेरे को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया

रविकांत गर्ग, अशोक भारद्वाज, सतीश कसेरे, अजय गौतम एडवोकेट, रामसरीन एडवोकेट, अजय सिंह एडवोकेट, श्रीभगवान चतुर्वेदी, सुनील साहनी, अजय गोयल सीए, अमित अग्रवाल सीए, संजीव अग्रवाल, कृष्ण कुमार मुन्ना भैया, राजू चावल वाले, श्याम अग्रवाल, मनोज डेरी, मुकेश खंडेलवाल, राजू हाथी, राजेश बजाज, रवि मास्टर, अजय माहेश्वरी, विजय माहेश्वरी, विजय गर्ग, बांकेलाल अग्रवाल, अशोक बंसल, शशि भानु गर्ग तथा हरिओम अग्रवाल आदि मौजूद थे। आखिरी में सभी लोगों ने स्वल्पाहार जलेबी, कचोरी, फल की चाट और शिकंजी का आनंद लिया।

ब्रजेश पाठक ने किया गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक

यूनिक समय, मथुरा/गोवर्धन। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक गुरुवार को गोवर्धन स्थित मुकुट मुखारविंद मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने पत्नी के साथ श्री गिरिराज का दुग्धाभिषेक किया। मंदिर में गोवर्धन मण्डल अध्यक्ष कान्हा शर्मा, सेवायत मुरारी मास्टर, राम पचौरी, जैकी शर्मा, रामधन शर्मा, सुनील पाठक, दिव्यांशु पाठक आदि ने पटका पहनाकर एवं श्री गिरिराज महाराज का चित्रपट देकर मंत्री का स्वागत सम्मान किया।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053